नई दिल्ली। गुरुवार, 22 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 286/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल प्रीति पाल का कमाल, 200 के बाद 100 मीटर दौड़ ...
@ विचार मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता...
@ व्यापार शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 143 अंक टूटा...

भारतीय सेना को मिलेंगे आधुनिक हल्के रडार, 770 करोड़ रुपये का हुआ करार

एजेंसी ■ नई दिल्ली



दुश्मन के लड़ाकू विमानों और छोटे ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना की क्षमता और मजबूत होने जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीद के लिए अनुबंध किया है। इसके लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ करीब 770 करोड़ रुपये का करार किया गया है। इन रडार की मदद से लड़ाकू विमान के आकार वाले हवाई लक्ष्यों के साथ छोटे और सूक्ष्म ड्रोन का भी पता लगाया जा सकेगा। इन रडार से मानवरहित हवाई प्रणालियों से पैदा होने वाले खतरों का मुकाबला करने में सेना को मदद मिलेगी।

रक्षा मंत्रालय ने यह करार 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में किया। इसके तहत बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीदे जाएंगे। ये रडार निम्न ऊंचाई पर निगरानी करने की क्षमता से लैस होंगे। इनकी खासियत हवाई लक्ष्यों का पता लगाने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ उनकी प्राथमिकता तय करने की क्षमता भी है। इन रडार को इस तरह तैयार किया गया है कि ये लड़ाकू विमान के आकार वाले लक्ष्यों के अलावा छोटे और सूक्ष्म ड्रोन का भी पता लगा सकें।

गौरतलब है कि आधुनिक युद्ध में मानवरहित हवाई प्रणालियों का इस्तेमाल एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऐसे में इन रडार की मदद से सेना को हवाई खतरों की पहचान करने और उनके अनुसार कार्रवाई की तैयारी करने में मदद मिलेगी। इनकी एक अतिरिक्त विशेषता हवाई लक्ष्यों को प्राथमिकता देने की क्षमता है। इससे निगरानी के दौरान महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह करार देश में एयर डिफेंस सिस्टम के स्वदेशीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को भी रक्षा उत्पादन से जुड़े तंत्र में प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह खरीद वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप है। इसका उद्देश्य एक मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम रक्षा उद्योग का निर्माण करना है।

जियो के आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त समर्थन



संवाददाता ■ रायपुर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अरबपति चेयरमैन मुकेश अंबानी की कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के 3.2 अरब डॉलर (करीब ?28,000 करोड़) के आईपीओ को बुधवार दोपहर तक उपलब्ध शेयरों की तुलना में दोगुने से अधिक बोलियां मिल चुकी थीं। सार्वजनिक बोली शुरू होने के महज दो घंटे के भीतर ही यह आईपीओ पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था। दो दशक बाद अंबानी की रिलायंस की ओर से आ रही इस पहली शेयर बिक्री को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह देखा गया। मेटा, अल्फाबेट की गूगल और संस्थागत निवेशकों के समर्थन वाली जियो प्लेटफॉर्म्स भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी का संचालन करती है। इसके 50 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। एक ही देश में ग्राहकों की संख्या के लिहाज से जियो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। इस मामले में चीन पहले स्थान पर है।

राष्ट्रपति आज से छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज रायपुर स्थित लोक भवन में पूज्य माता हासी देवी के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी करेंगी। इसी दिन वह रायपुर में नुआखाई पर्व के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व' एवं 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में शामिल होंगी।

23 अक्टूबर को राष्ट्रपति जगदलपुर में मुरिया दरबार में शामिल होंगी तथा बस्तर दशहरा के अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी।

राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात दिखलाई पड़ रहे है। राष्ट्रपति के आगमन के पहले आज सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती को खंगालने के लिए रिर्हसल की गई, इस दौरान चारो दिशाओं में नाकेबंदी कर यातायात रोका गया ।

इस दौरान वे बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक परंपरा से जुड़े सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल होंगी।

राष्ट्रपति मुर्मु लालबाग मैदान में आयोजित आमसभा को भी संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु के प्रस्तावित प्रवास को लेकर जगदलपुर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

बूथ सशक्तीकरण और समाज सेवा ही भाजपा का मूल आधार : कर्मवीर सिंह

संवाददाता ■ रायपुर

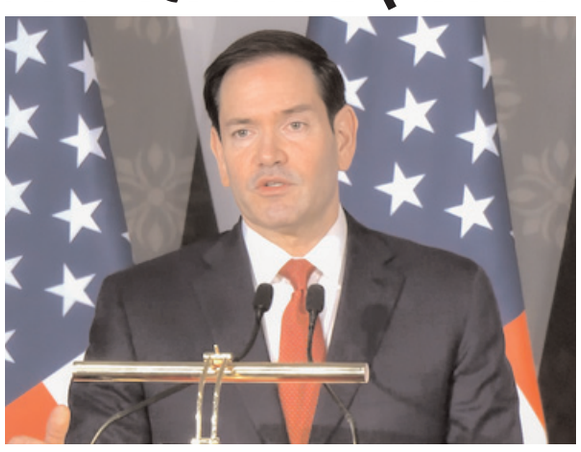


भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने संगठनात्मक मजबूती पर बल देते हुए कहा है कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से बूथ स्तर पर शुरू करनी होगी। सभी जनप्रतिनिधि सीधे बूथ स्तर के कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। इस दृष्टि से प्रत्येक माह जिला, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर अनिवार्य रूप से बैठकें आयोजित की जाएँ। सिंह बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में रायपुर शहर जिला भाजपा द्वारा आयोजित स्वागत-अभिनन्दन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिंह ने माता कौशल्या की पावन धरा और प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में संगठन का दायित्व संभालने को अपने लिए गर्व का विषय बताया। पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी तथा सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू के निर्धारित छत्तीसगढ़ प्रवास के परिप्रेक्ष्य में स्वागतादि कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए सिंह ने कहा कि कहा कि प्रदेश प्रभारी व सह प्रभारी के आगमन पर शहर में कहीं भी व्यक्तिगत फ्लेक्स या होर्डिंग्स न लगाकर, पूरे शहर को केवल भाजपा के झण्डों से आच्छादित किया जाए। आगामी 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के मासिक प्रसारण में प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी शामिल होंगी। इसमें अधिक-से-अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए।

भारत में विरोध प्रदर्शन पर यूएन की राय से अमेरिका नहीं रखता इत्तेफाक

एजेंसी ■ मुंबई



भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत में विपक्ष और छात्रों के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े सवाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने इसे भारत का आंतरिक मामला बताया।

अमेरिकी मीडिया से बातचीत में रूबियो ने अपनी राय व्यक्त की। फॉक्स न्यूज ने बुधवार को इसको प्रसारित किया। जहां उन्होंने यूएन एक्सपर्ट्स पर तंज कसा और भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था की तारीफ की।

भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और उस पर यूएन एक्सपर्ट्स की आलोचना को लेकर पूछे गए सवाल पर रूबियो ने हंसते हुए कहा, 'यूएन एक्सपर्ट्स... मेरे फेवरेट हैं। यूएन एक्सपर्ट्स खुद में ही एक विरोधाभास है।'

उन्होंने भारत में चल रहे आंदोलन को आतंरिक मामला बताते हुए आगे कहा, 'यह एक घरेलू राजनीतिक मामला है। मैं उनकी राजनीति में शामिल नहीं होने वाला। यहां लोकतंत्र है, चुनाव होते हैं। मैं उनके घरेलू राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करूंगा। ऐसे तो हमारे यहां अमेरिका में हर दिन विरोध प्रदर्शन होते हैं।'

रूबियो ने कहा कि विरोध प्रदर्शन और दंगों में फर्क होता है। बोले, 'मैं दंगों की बात नहीं कर रहा, जैसे आप यूरोप में देख रहे हैं जहां तोड़फोड़ हो रही है, इमारतों में घुसा जा रहा है और उन्हें जलाया जा रहा है। कई मायनों में लोगों का बाहर निकलकर अपनी बात रखना इस बात का संकेत है कि यह एक ऐसा देश है जहां राजनीतिक चर्चा होती है और मतभेद होते हैं।'

उन्होंने क्यूबा का उदाहरण देते हुए कहा, 'जैसे आपने कहा कि यहां विपक्ष है, उदाहरण के लिए क्यूबा में ऐसा कोई विपक्ष नहीं है जो जेल गए बिना या दमन और निर्वासन झेले बिना बाहर निकलकर कुछ कर सके। हम आंतरिक राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करेंगे; यह भारत के लोगों को तय करना है।'

अमेरिकी विदेश मंत्री मंगलवार को मुंबई पत्नी जेनेट के साथ पहुंचे थे। तय शेड्यूल के अनुसार उनकी शाम को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात हुई। दोनों ने रक्षा से लेकर ऊर्जा सुरक्षा को लेकर गहन विमर्श किया। बाद में रूबियो ने पत्रकारों से बात करते हुए माना कि भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द हो जाएगी।

'लिखित माफीनामा और शपथ पत्र', सौरव दास और आशुतोष रांका को शर्तों पर मिली जमानत

एजेंसी ■ नई दिल्ली



कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार को न्यायिक हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया गया। दोनों से लिखित में माफीनामा और शपथ पत्र लेने के बाद जमानत पर छोड़ा गया है।

उन्होंने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के समक्ष लिखित में आश्वासन दिया कि वे जंतर-मंतर स्थल को कानून के अनुसार गैर-अधिसूचित किए जाने तक शांति बनाए रखेंगे और वहां विरोध प्रदर्शन नहीं करेंगे।

एसईएम ऋतु राज ने जंतर-मंतर अतिक्रमण मामले की जांच पूरी होने तक दोनों कार्यकर्ताओं द्वारा 50,000 रुपए के व्यक्तिगत बांड और जमानत बांड जमा करने के बाद उनकी रिहाई का निर्देश दिया। अपने लिखित आश्वासन में दोनों कार्यकर्ताओं ने शांति भंग न करने का वादा किया और एसईएम न्यायालय सहित न्यायपालिका और उसके सभी उपकरणों में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। उनके बयान में कहा गया कि हम शांति, कानून व्यवस्था और जन शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और यह स्पष्ट करते हैं कि जब तक जंतर-मंतर को कानून के अनुसार अधिसूचना से मुक्त नहीं कर दिया जाता, तब तक हम वहां किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन का आह्वान नहीं करेंगे।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि कोई भी विरोध प्रदर्शन 'संविधान की सीमाओं के भीतर' ही किया जाएगा।

एसईएम न्यायालय ने पाया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 135(3) के तहत शांति भंग या सार्वजनिक शांति भंग को रोकने के लिए आवश्यक तत्काल उपाय लिखित वचनपत्रों के निष्पादन के माध्यम से पर्याप्त रूप से सुनिश्चित किए जा सकते हैं। एसईएम का रिहाई आदेश दिल्ली पुलिस द्वारा उनकी न्यायिक हिरासत को तीन दिन और बढ़ाने की मांग के बाद आया, जिसमें यह तर्क दिया गया था कि उनके बाद के बयानों और आचरण के मद्देनजर शांति भंग और सार्वजनिक शांति भंग की आशंकाएं बनी हुई हैं। पुलिस ने यह भी तर्क दिया कि कार्यकर्ताओं ने इसी तरह की गतिविधियों से दूर रहने की अपनी इच्छा के संबंध में न्यायालय और मीडिया के समक्ष विरोधाभासी रुख अपनाया था।

खबर झरोखा

आज भारत आ रहे पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क 21 से 23 अक्टूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ भी बैठक करेंगे। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को टस्क का शेड्यूल जारी किया। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, पोलैंड के प्रधानमंत्री बुधवार रात दिल्ली पहुंचेंगे।

छत्तीसगढ़ में हॉकी के नए युग का आगाज़

संवाददाता ■ रायपुर



राज्य सरकार की एक अनूठी और दूरदर्शी पहल के तहत छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को एक नया और पेशेवर आयाम देने वाली देश की पहली 'छत्तीसगढ़ हॉकी लीग' का रंगारंग और भव्य शुभारंभ रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया गया। 'चलव रे संगी हॉकी खेलबो' के जीवंत उद्घोष के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियनों, दिग्गज खिलाड़ियों और छत्तीसगढ़ के उभरते युवा खिलाड़ियों का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन से राज्य के खेल जगत में प्रतिस्पर्धा का एक बिल्कुल नया दौर शुरू हो गया है, जो स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमकने का सुनहरा अवसर देगा।

इस गरिमामयी उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री डॉ.रक्षा निखिल खड़से ने की। समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री ताखन साहू और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा, समारोह में राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर,बीज निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चंद्राकर और खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, छत्तीसगढ़ हाकी लीग के ब्रांड एंबेसडर सरदार सिंह,पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान सहित कई गणमान्य नागरिक और खेलप्रेमी भारी संख्या में मौजूद रहे।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट पहुँची रेल

ताड़ोकी-रावघाट एवं अभनपुर-कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का हुआ उद्घाटन

संवाददाता ■ रायपुर



भारतीय रेल द्वारा छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की गरिमामयी उपस्थिति में ताड़ोकी-रावघाट एवं अभनपुर-कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर रावघाट-रायपुर एवं रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी किया गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचना दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इन परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ को रेल बजट के अंतर्गत 7,000 करोड़ से अधिक की राशि प्राप्त हुई है, जो राज्य में रेल अवसंरचना के विस्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा तथा औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की जनता को इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं रावघाट-रायपुर तथा रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अवसंरचना का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। दल्लीराझरा-रावघाट नई रेल लाइन, केंद्री-अभनपुर-राजिम-धमतरी आमान परिवर्तन तथा विभिन्न मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए हैं।

भव्य आतिशबाजी के साथ बीरगांव में 81 फीट के रावण का दहन

विश्व केसरी■







रायपुर। बीरगांव दशहरा उत्सव समिति द्वारा आडवाणी स्कूल दशहरा मैदान में आयोजित भव्य विजयादशमी उत्सव इस वर्ष बेहद ऐतिहासिक और यादगार रहा। अपने गौरवशाली सफर के 21वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी समिति के इस भव्य आयोजन को देखने के लिए क्षेत्र के लगभग 25 हजार से अधिक परिवारों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू थे। पूरा आयोजन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (किसान मोर्चा) डॉ. ओमप्रकाश देवांगन के कुशल संरक्षण तथा समिति के अध्यक्ष व पार्षद बेदराम साहू की अध्यक्षता में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

बुराई पर हमेशा भारी पड़ती है अच्छाई की शक्ति विधायक मोतीलाल साहू

कार्यक्रम में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व विधायक मोतीलाल साहू ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा, 'विजयादशमी का यह पावन पर्व हमें याद दिलाता है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो जाए, उसका अंत निश्चित है। भगवान राम का जीवन हमें मर्यादा, धैर्य और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। बीरगांव की यह पावन धरा आज एकता और भक्ति के अनूठे रंग में रंगी हुई है। 21 वर्षों से इस गौरवशाली परंपरा को जीवित रखने के लिए डॉ. ओमप्रकाश देवांगन, अध्यक्ष बेदराम साहू और समिति की पूरी टीम बधाई की पात्र है, जिन्होंने क्षेत्र की जनता को एक सूत्र में पिरोने का यह ऐतिहासिक कार्य किया है।'

असत्य पर सत्य की जीत का संदेश: डॉ. ओमप्रकाश देवांगन

दशहरा उत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. ओमप्रकाश देवांगन ने कहा, 'यह दशहरा उत्सव अब सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि बीरगांव की एकता, अटूट संस्कृति और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बन चुका है। बीरगांव की जनता को दशहरा / दीपावली की बधाई और धन्यवाद करते हुवे कहा कि पिछले 21 वर्षों से लगातार हो रहा यह आयोजन हमारी आने वाली पीढ़ी को संदेश देता है कि हमें अपने भीतर छिपे हुवे समस्त बुराईयों को समाप्त करना है, चाहे वो दोस्त हो या दुश्मन , गरीब हो या अमीर, कोई भी हो लेकिन जरूरतमंद हर एक लोगो की हरसंभव मदद करनी चाहिए , समाज में असत्य चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, जीत हमेशा सत्य और धर्म की ही होती है।'

समिती के संरक्षक एवज देवांगन ने भव्य आयोजन के लिए समिती के सदस्यो और क्षेत्रीय विधायक का तारीफ करते हुवे कहा कि इस वर्ष बीरगांव के दशहरा उत्सव का मुख्य आकर्षण 81 फीट ऊंचा गगनचुंबी रावण के पुतले का दहन किया गया, मैदान रंग-बिरंगी और आकर्षक आतिशबाजी से गूंज उठा। सतरंगी रोशनी ने पूरे आसमान को सराबोर कर दिया। आतिशबाजी के दौरान विशेष रूप से तैयार की गई 'सांप और नेवले की विकराल लड़ाई' के जीवंत आतिशबाज़ी दृश्य ने दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। यह रोमांचक नजारा देखने लायक था।

समिति के अध्यक्ष बेदराम साहू ने रिकॉर्ड भीड़ की सुरक्षा पर बात करते हुए बताया कि 25 हजार से अधिक परिवारों की भारी मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, बैठक व्यवस्था और सुचारू यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ।

वरिष्ठ नेताओं और प्रबुद्ध जनों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस ऐतिहासिक पल के गवाह बनने के लिए विशेष अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवज देवांगन, भीखम देवांगन, पार्षद राजेश देवांगन, पार्षद डॉ. मनमोहन मनहरे, एन.के.डी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वेदप्रकाश देवांगन, टकेश देवांगन, पदमा चंद्राकर, फूलमणी सोनवानी, सुनीता वर्मा, कविता वर्मा, डेविड साहू, डा संतोष साहू, नन्हू दीवान, योगेन्द वर्मा, चिंता वर्मा, डा जांगडे, अश्वनी चांद्रे पार्षद, रामअवतार टेवांगन, सीताराम सिदार , नरसिंग निषाद, जितेन्द्र यादव, महालेश्वर महादेव मंदिर समिति के डॉ. हरीश मेहेर, करनसिंह, रिंकू सिंह, मन्नू जी, व्यापारी संघ के रमाशंकर देवांगन, नारायण सेन, राकेश सिन्हा और राकेश मिश्रा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

टीम वर्क ने बनाया आयोजन को सफल

इतने बड़े आयोजन को सफल बनाने में समिति के वॉलिंटियर्स और प्रभारियों ने अपनी जान लगा दी। मंच का शानदार संचालन ओमप्रकाश साहू ने किया। अतिथियों के स्वागत सत्कार की कमान डोमेश देवांगन, जीवन साहू, शेखूराम साहू, रामपाल साहू, कल्पना पाटिल, बिमला साहू, राधिका साहू, प्रतिमा साहू और शीतला साहू, नीतू उईके ने संभाली।

सांस्कृतिक व रामलीला कलाकारों की देखरेख भागवत साहू , नानक चन्द साहू ने की। सोशल मीडिया पर पल-पल की अपडेट युवा टीम के विकास दुबे, पुलकित साहू, ओमप्रकाश साहू और संजू वर्मा ने पहुंचाई। रोमांचक आतिशबाजी का पूरा तालमेल अशोक मौर्या, संजु छत्तीसगढिया, कैलाश उईके, विजय सरकार और सुनील वर्मा ने संभाला।

मैट्स यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन जूडो और कुश्ती क्लिनिक का सफल आयोजन

विश्व केसरी■



रायपुर। रायपुर में स्थित MATS यूनिवर्सिटी के MATS स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन में जूडो और कुश्ती क्लिनिक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस सत्र का संचालन राष्ट्रीय स्तर की जूडो और कुश्ती एथलीट, अंतरा सारथी ने किया। उन्होंने जूडो और कुश्ती, दोनों खेलों में बुनियादी सिद्धांतों से लेकर उन्नत कौशल (एडवांस्ड स्किल्स) तक कई तरह की तकनीकों का प्रदर्शन किया।

उन्होंने पाठ्यक्रम में शामिल तकनीकों के बारे में विस्तृत व्यावहारिक निर्देश दिए, जिससे छात्रों को महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव मिला और वे जूडो तथा कुश्ती के तकनीकी पहलुओं को बेहतर ढंग से समझ सके। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लिया, सीखने में गहरी रुचि दिखाई और विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा व्यावहारिक प्रदर्शनों से काफी लाभ उठाया।

यह क्लिनिक सीखने का एक बेहतरीन अनुभव साबित हुआ, जिसने छात्रों के तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और समग्र खेल विकास में योगदान दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति गजराज पगारिया जी, माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ. के. पी. यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया जी, कुलसचिव गोकुलानंद पांडा तथा विभागाध्यक्ष डॉ मिथिलेश जी सह अध्यापक प्रतुत है।

अर्बन चैलेंज फंड से छत्तीसगढ़ के शहरों के सुनियोजित विकास को मिलेगी नई गति - सीएम साय

विश्व केसरी■



रायपुर। क्विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारे शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहर केवल आवास और नागरिक सुविधाओं के केंद्र नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, उद्योग, व्यापार, रोजगार और नवाचार के प्रमुख आधार भी हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ के शहरों का विकास वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित, समावेशी, टिकाऊ और आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा एमओयू नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेप्ट विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुआ।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड (UCF) एवं अर्बन इन्वेस्ट विंडो (UiWIN) विषयक प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शहरी विकास को नई सोच और नई गति मिली है। अर्बन चैलेंज फंड जैसे अभिनव प्रयास शहरों को आधुनिक, सुविधासंपन्न, आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का बड़ा अवसर हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऐसी गुणवत्तापूर्ण परियोजनाएं तैयार करनी होंगी, जो नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ शहरों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें।

नगरीय विकास को मजबूती देने दो महत्वपूर्ण एमओयू

कार्यशाला के दौरान प्रदेश के नगरीय विकास, वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और नगरीय निकायों की तकनीकी एवं संस्थागत क्षमता को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

पहला एमओयू हुडको और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के बीच तथा दूसरा एमओयू नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सेप्ट विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुआ।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में सजेगा छत्तीसगढ़ का भव्य पवेलियन

14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा 45 वां इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

विश्व केसरी■



रायपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें 'भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले' में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य सचिव ने व्यापार मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन के निर्माण, सुरक्षा, ब्रांडिंग और अन्य व्यवस्थाओं को समय-सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है, जो देश की आधुनिक प्रगति और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के सुंदर तालमेल को प्रदर्शित करती है।

इन प्रमुख बिंदुओं पर रहेगा विशेष फोकस

हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को मंच मुख्य सचिव ने कहा कि यह व्यापार मेला छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्पियों, स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों के लिए अपनी कला और उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच है।

मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन में कृषि, मिलेट और वनोपज का प्रदर्शन कृषि एवं किसान कल्याण तथा उद्यानिकी विभाग को छत्तीसगढ़ के प्रमुख मिलेट उत्पादों-कोदो, कुटकी, रागी और अन्य विशिष्ट उत्पादों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को लघु वनोपज संघ के माध्यम से छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय की पुख्ता व्यवस्था करने को कहा गया है।

औद्योगिक नीतियों और पर्यटन का प्रचार

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (जो इस पवेलियन का नोडल विभाग है) को 'नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-2030' एवं विभिन्न निवेश योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पर्यटन विभाग को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी और संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

शालू जिन्दल 'सीएसआर पर्सन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित

विश्व केसरी■



रायपुर। जिन्दल फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिन्दल को नई दिल्ली में आयोजित 19वें इंडिया सीएसआर लीडरशिप समिट एंड अवॉर्ड्स 2026 में 'सीएसआर पर्सन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

महिलाओं के स्वास्थ्य, मातृत्व देखभाल, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियों को देखते हुए जिन्दल को यह सम्मान प्रदान किया गया है। उनके नेतृत्व में जिन्दल फाउंडेशन की प्रमुख पहल HerKadam अब तक 2,300 से अधिक वंचित गांवों तक पहुंच चुकी है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं, बेहतर पोषण, सुरक्षित मातृत्व और आर्थिक अवसरों से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा एनीमिया की जांच, उपचार और परामर्श के माध्यम से 9 लाख से अधिक किशोरियों को सहायता दी गई है। इसके अलावा 8.9 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं और हाल ही में मां बनी महिलाओं को प्रसव से पहले और बाद में जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस पहल के तहत गंभीर कुपोषण से प्रभावित जिन बच्चों की पहचान की गई, उनमें से 90 प्रतिशत से अधिक बच्चों को स्वस्थ पोषण स्तर की ओर बढ़ने में मदद मिली है। कुल मिलाकर, इस पहल के माध्यम से अब तक 1.2 करोड़ से अधिक बार स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराई गई है।

इस वर्ष समिट का विषय था— 'सीएसआर के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा: सामाजिक प्रभाव का दायरा बढ़ाने के लिए विचारों, तकनीक, पूंजी और साझेदारी को एक साथ लाना।'

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6) - : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाटा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36410..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 16-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36410
वार्ड का नाम 59- मोरेश्वर राव गद्दे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 59 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651C00164** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, **Surendra Kumar Naidu** पिता/पति श्री/श्रीमती **N. Shesh Rao naidu** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **LAXMI NAIDU** 2. **NEHA NAIDU** 3. **GAURAV NAIDU** पिता / पति श्री/श्रीमती **SURENDRA NAIDU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **DEATH CERTIFICATE AND B** 1 / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6) - : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाटा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36424/ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 16-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36424
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663C00427** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MUMTAZ BEGUM** पिता/पति श्री श्रीमती **GULAM RASOOL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ANJU DEVI GOSWAMI** पिता /पति श्री/श्रीमती **W/O KISUN GOSWAMI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36468/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36468
वार्ड का नाम 22- पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR814B00193** जो ज की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **NAZUL NIRMALA SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **SHYAMJI SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अंजनी शर्मा पिता /पति श्री श्रीमती दिनेश शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमाबिक्री नामा / सपथ पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36340..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36340
वार्ड का नाम 12-कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR229A00112** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **NEMLAL SONI** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती यादव राम सोनी पिता / पति श्री श्रीमती स्व. श्री नेम लाल सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /**SAHMATI PATRA SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36300..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36300
वार्ड का नाम 48 - गुरु घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR344C00333** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **BALMATI JAGAT** पिता / पति श्री श्रीमती **DEVENDRA JAGAT** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती श्रीमती शमीम अख्तर पिता / पति श्री श्रीमती श्री नूर अख्तर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36294..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36294
वार्ड का नाम 30 शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR331C00026** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **JAWAHAR LAL BADHAUT** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOTILAL BADHAUT** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सचिन बघौत पिता / पति श्री श्रीमती स्व. जवाहर बघौत ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /... 36447..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36447
वार्ड का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR229000294** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **SURINDER KAUR W/O A.K.. MINHAS** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 1. नरेन्द्र सिंह मिन्हास 2. गगनदीप सिंह मिन्हास पिता/पति श्री श्रीमती 1. श्री अवतार सिंह मिन्हास 2. अक्षर कुमार सिंह मिन्हास** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....36342..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 21-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36342
वार्ड का नाम 31-नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR229C00313** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MRS. MAMTA BADLANI** पिता / पति श्री श्रीमती **ASHOK KUMAR BADLANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कमल कुमार बदलानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री अशोक कुमार बदलानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीकी नौसेनाओं ने किया संयुक्त अभ्यास

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीकी नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'आईबीएसएएमएआर-9' संपन्न हो गया है। दक्षिण अफ्रीका के साइमन टाउन में अभ्यास का समापन हुआ। दस दिनों तक चले इस अभ्यास में तीनों देशों की नौसेनाओं ने बंदरगाह और समुद्र में विभिन्न गतिविधियों के जरिए एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझा। इसका उद्देश्य समुद्री अभियानों में आपसी तालमेल बढ़ाना, परिचालन सहयोग मजबूत करना और तीनों नौसेनाओं के बीच बेहतर समझ विकसित करना था।

अभ्यास के दौरान तीनों देशों के नौसैनिकों ने पेशेवर विचार-विमर्श, परिचालन संबंधी गतिविधियों और संयुक्त प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। इससे उन्हें एक-दूसरे की क्षमताओं, प्रक्रियाओं और समुद्र में काम करने के तरीकों को करीब से जानने का अवसर मिला। इन गतिविधियों ने नौसैनिकों के बीच आपसी विश्वास बढ़ाने और मिलकर काम करने की क्षमता मजबूत करने में मदद की।

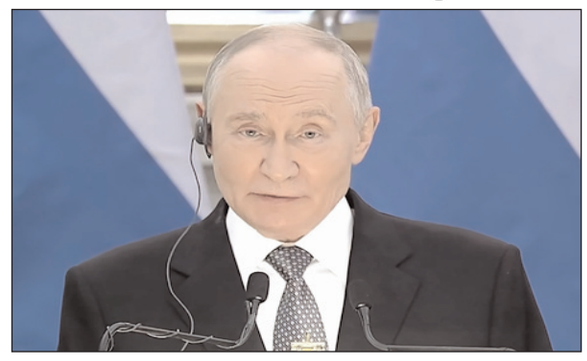
भारतीय आईएनएस तरकश के कमान अधिकारी ने यहां कहा कि आईबीएसएएमएआर जैसे अभ्यास लंबे समय से चले आ रहे कूटनीतिक संबंधों को ठोस नौसैनिक सहयोग में बदलने का अनूठा मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे अभ्यासों की असली ताकत केवल समुद्र में संयुक्त गतिविधियां करने तक सीमित नहीं है। साझा अनुभवों, पेशेवर बातचीत और एक-दूसरे से सीखने के दौरान नौसैनिकों के बीच बनने वाले संबंध भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

बता दें कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका तीन अलग-अलग महाद्वीपों में स्थित हैं, लेकिन समुद्री क्षेत्र उन्हें आपस में जोड़ता है। तीनों देश समुद्र को सुरक्षित, संरक्षित और स्थिर बनाए रखने में साझा हित रखते हैं।आईबीएसएएमएआर अभ्यास ने उन्हें समुद्री सुरक्षा से जुड़ी साझा चुनौतियों पर चर्चा करने, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का मौका दिया। यह अभ्यास संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता बढ़ाने का अवसर भी देता है।

इस अभ्यास ने यह भी स्पष्ट किया कि समुद्र में बेहतर तालमेल केवल संयुक्त गतिविधियों में भाग लेने से नहीं, बल्कि लगातार संवाद, साझा प्रशिक्षण और एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने से विकसित होता है।

रूसी डीजल लेकर पहला टैंकर दो से तीन दिनों में रवाना होगा: राष्ट्रपति पुतिन

विश्व केसरी■



सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि रूसी डीजल ईंधन लेकर पहला टैंकर दो से तीन दिनों में रवाना होगा। इस टैंकर में 40 हजार टन डीजल होगा। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटिनोव्स्की पैलेस में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ बैठक के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस फिलहाल डीजल ईंधन से भरे कई टैंकरों की खेप भेजने की तैयारी कर रहा है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह ईंधन वैश्विक बाजार और अमेरिकी बाजार के लिए है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने 9 अक्टूबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान यूक्रेन संकट के समाधान की संभावनाओं पर विशेष रूप से चर्चा हुई थी। वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र के घटनाक्रमों पर चर्चा के दौरान रूस ने अमेरिकी और वैश्विक बाजारों को तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने की अपनी तत्परता दोहराई थी।

इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को नॉर्वे के ओस्लो में विटकॉफ के साथ युद्धविराम के विभिन्न प्रारूपों से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की। यूक्रेन की सरकारी समाचार एजेंसी उक्रिनफॉर्म के अनुसार, इस बैठक में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब भी शामिल हुए। बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी और देश के पुनर्निर्माण के मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

बैठक के बाद विटकॉफ रूस के सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे, जहां उन्होंने शांति प्रयासों पर चर्चा करने के लिए रूसी नेतृत्व से मुलाकात की। इस साल की शुरुआत में मध्य पूर्व में संघर्ष शुरू होने के बाद से वैश्विक ऊर्जा बाजार लगातार दबाव का सामना कर रहे हैं।

नियमित टीकाकरण की अनदेखी के कारण बांग्लादेश में खसरे से 1,147 मौत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। बांग्लादेश में खसरे ने पिछले आठ महीनों में कई मासूमों की जान ले ली है। इसका अहम कारण नियमित टीकाकरण में आई कमी को बताया जा रहा है। मार्च के मध्य में प्रकोप शुरू होने के बाद से अब तक खसरे के 2,02,000 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए और इस दौरान 1,147 लोगों की मौत हुई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए, 'द जापान टाइम्स' की एक रिपोर्ट में कहा गया कि इस साल बांग्लादेश में 'किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक संदिग्ध मामले' सामने आए हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कुल संदिग्ध मामलों में से 22,000 मामलों की पुष्टि प्रयोगशाला जांच (लैब टेस्ट) से हुई है, और मरने वालों में 94 प्रतिशत बच्चे पांच साल से कम उम्र के हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, 'बांग्लादेश का हाल दिखाता है कि जब टीकाकरण कवरेज 95 प्रतिशत से नीचे चला जाता है, तो किसी बीमारी के प्रकोप को रोकना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, प्रकोप को रोकने के लिए 95 प्रतिशत कवरेज जरूरी है। हाल के वर्षों में बांग्लादेश ने यह लक्ष्य लगभग हासिल कर लिया था, लेकिन 2025 में गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि टीकाकरण कवरेज में कमी, आंकड़ों (डेटा) की कमजोर स्थिति और लोगों तक पहुंच की कमी ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। टीकाकरण कराने वाले लोगों की संख्या लक्ष्य से 100 प्रतिशत से भी अधिक रही, जिससे पता चलता है कि खुराक (डोज) की गिनती या लक्ष्य तय करने में कोई गलती हुई है।

क्या उंगलियां चटकाने या ज्यादा फोन चलाने से हो सकता है गठिया? ऑर्थोपेडिक सर्जन ने बताई सच्चाई

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और चलने-फिरने में तकलीफ- ये सभी अर्थराइटिस के आम लक्षण हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह बीमारी हर किसी के लिए एक जैसी नहीं होती?

जी हां, अर्थराइटिस कई तरह का होता है, इसलिए इसके लक्षणों को सही से समझना और सही जांच कराना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि गठिया को लेकर लोग क्या सोचते हैं और असल में विज्ञान क्या कहता है।

क्या उंगलियां चटकाने से अर्थराइटिस होता है?

अक्सर बड़े-बुजुर्ग उंगलियां चटकाने से मना करते हैं और कहते हैं कि इससे जोड़ों की बीमारी हो जाएगी। हालांकि, सच तो यह है कि रिसर्च में अब तक उंगलियां चटकाने और अर्थराइटिस के बीच कोई सीधा संबंध साबित नहीं हुआ है।

क्या ज्यादा टाइपिंग करने से जोड़ों को पहुंचता है नुकसान?

आजकल लोग लगातार फोन पर मैसेज टाइप करते रहते हैं और डरते हैं कि इससे उनकी उंगलियों के जोड़ों में गठिया हो जाएगा। डॉक्टर के मुताबिक, लगातार फोन के इस्तेमाल से हाथों में दर्द, तनाव या कुछ समय के लिए तकलीफ जरूर हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आपको अर्थराइटिस हो गया है। थोड़े समय के दर्द और ऐसी बीमारी जिसमें मेडिकल हेल्प चाहिए हो, उसके बीच के फर्क को समझना जरूरी है।

क्या यह सिर्फ बुढ़ापे की बीमारी है?

एक बहुत बड़ा मिथक यह है कि गठिया केवल बढ़ती उम्र का हिस्सा है और इसका कुछ नहीं किया जा सकता। यह सच है कि कुछ खास तरह का गठिया उम्रदराज लोगों में ज्यादा होता है, लेकिन युवा लोग भी इसका शिकार हो सकते हैं। अच्छी खबर यह है कि सही इलाज से इसके लक्षणों को कंट्रोल किया जा सकता है और रोजमर्रा के काम आसानी से किए जा सकते हैं।

क्या अर्थराइटिस के हर मरीज को सर्जरी करानी पड़ती है?

सर्जरी का नाम सुनते ही कई लोग घबरा जाते हैं। हालांकि, सच्चाई यह है कि अर्थराइटिस के हर मरीज को सर्जरी की जरूरत नहीं होती। ज्यादातर लोगों को दवाइयों, फिजियोथेरेपी, वजन कम करने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने से ही काफी आराम मिल जाता है। अगर इन सब उपायों के बाद भी दर्द बर्दाश्त से बाहर हो जाए और रोजमर्रा के कामों में रुकावट आने लगे, तभी जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के बारे में विचार किया जाता है।

शहीद पुलिसकर्मियों को नमन, राज्यपाल ने आरआरयू में आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं लॉन्च कीं

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने बुधवार को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए 145 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में प्रशिक्षण सुविधाओं का भी उद्घाटन किया।

राज्यपाल ने गुजरात पुलिस शहीद डैशबोर्ड का भी वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया, जो राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों की स्मृति को संजोने के लिए एक डिजिटल पहल है।

21 अक्टूबर को आयोजित इस स्मृति दिवस में नागरिकों की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और कानून के शासन को कायम रखने में पुलिसकर्मियों के साहस, सत्यनिष्ठा और प्रतिबद्धता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस कार्यक्रम में पुलिसिंग और आंतरिक सुरक्षा में व्यावसायिक प्रशिक्षण, संस्थागत क्षमता और तकनीकी तत्परता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

अपने संबोधन में आचार्य देवव्रत ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश उन लोगों का ऋणी रहेगा जिन्होंने शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

उन्होंने उन माता-पिता और परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया जिन्होंने उनमें देश के प्रति कर्तव्य की भावना का भाव जगाया।

भारत के अहिंसा, शांति, सहिष्णुता और बंधुत्व जैसे सभ्यतागत मूल्यों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शांति और सत्य की रक्षा के लिए कुकर्मों का सामना करने हेतु साहस और शक्ति की आवश्यकता होती है।

'वीर भोग्य वसुंधरा' के सूत्र का आह्वान करते हुए उन्होंने अन्याय का विरोध करने में वीरता, नैतिक संकल्प और दृढ़ता के महत्व पर बल दिया।

भारत के कोर सेक्टर की वृद्धि दर सितंबर में 30 महीने के उच्चतम स्तर 7.9 प्रतिशत पर पहुंची

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर में बढ़कर 30 महीने के उच्चतम स्तर 7.9 प्रतिशत पर पहुंच गई। पिछले साल के इसी महीने की तुलना में इस वृद्धि में लौह अयस्क, बिजली, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट और इस्पात क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन का प्रमुख योगदान रहा। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

सितंबर में लौह अयस्क के उत्पादन में 18.4 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। उत्पादन प्रक्रिया में लौह अयस्क के व्यापक इस्तेमाल और औद्योगिक विकास में इसके योगदान को देखते हुए इसे संशोधित कोर इंडस्ट्रीज इंडेक्स (आईसीआई) की नई श्रृंखला में एक नई मद के रूप में शामिल किया गया है। इसके साथ ही नई श्रृंखला में प्रमुख उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गई है। इस नई श्रृंखला को पहली बार पिछले महीने लागू किया गया था।

सितंबर के दौरान बिजली उत्पादन में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कोयला उत्पादन 10.7 प्रतिशत बढ़ा। महीने के दौरान रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में भी 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आर्थिक गतिविधियों के बढ़ते स्तर के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में तेजी आने से इस क्षेत्र को मजबूती मिली।

सीमेंट क्षेत्र में 10.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस्पात उत्पादन में 4.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकार के भारी निवेश के कारण मांग मजबूत बनी रही, जिससे इन क्षेत्रों को समर्थन मिला।

हालांकि, सितंबर में उर्वरक, प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल के उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। अगस्त 2026 के अंतिम सूचकांक को 119.2 से संशोधित कर 120.4 कर दिया गया है। इसके अनुसार, सालाना वृद्धि दर को भी 4.8 प्रतिशत से संशोधित कर 5.9 प्रतिशत कर दिया गया है।

अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की संचयी वृद्धि दर अब 5.1 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 2.5 प्रतिशत थी।

रियलमी ने भारत के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दोहराई, सुपर एजेंट्स के साथ 2027 की विकास योजनाओं को किया पेश

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रियलमी ने बुधवार को भारत के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दोहराते हुए 2027 के लिए उत्पाद विकास, ब्रांड में निवेश और अपने मुख्य कारोबार से जुड़ी प्राथमिकताओं की रूपरेखा पेश की। रियलमी के उपाध्यक्ष और मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) चेस शू के नेतृत्व में भारत के सुपर एजेंट्स के साथ हुई बैठक में कंपनी ने उपभोक्ताओं के बीच अपनी पसंद को मजबूत करने और अपने वितरण नेटवर्क के साथ टिकाऊ विकास हासिल करने पर जोर दिया।

भारत रियलमी की वैश्विक विकास योजनाओं के केंद्र में बना हुआ है। वर्ष 2027 के लिए कंपनी की रणनीति में स्मार्टफोन की अधिक मजबूत उत्पाद श्रृंखला, विपणन पर बढ़ा हुआ खर्च, मार्केटिंग और रिटेल टीमों के बीच बेहतर समन्वय तथा उपभोक्ताओं के साथ लगातार जुड़ाव शामिल होगा। इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य मांग को मजबूत करना, खुदरा बिक्री के क्रियान्वयन में सुधार करना और साझेदारों की अगली पीढ़ी के विकास के लिए अधिक टिकाऊ आधार तैयार करना है।

रियलमी के उपाध्यक्ष और सीएमओ चेस शू ने कहा, 'भारत रियलमी के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और हम यहां लंबे समय तक अपना कारोबार विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रतिबद्धता का अर्थ है उत्पादों में लगातार निवेश करना, उनके पूरे जीवनचक्र के दौरान उन्हें समर्थन देना और उन भारतीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करना, जो हर दिन रियलमी को उपभोक्ताओं तक पहुंचाते हैं। वर्ष 2027 के लिए हमारी प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं: बेहतर प्रमुख उत्पाद, ब्रांड में लगातार निवेश और हमारी मार्केटिंग तथा रिटेल टीमों के बीच बेहतर समन्वय। हम चाहते हैं कि उपभोक्ताओं को हमारे उत्पादों में हो रही प्रगति का अनुभव हो और हमारे साझेदारों को भविष्य में मिलने वाले अवसरों पर अधिक भरोसा हो।'

रियलमी की 2027 की मुख्य उत्पाद श्रृंखला में नंबर सीरीज प्रमुख प्राथमिकता होगी। इसके तहत प्रदर्शन, गेमिंग, इमेजिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्मार्टफोन के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में मेडिकल इंटर्न्स को बड़ी राहत, मासिक वजीफा बढ़कर 25,000 रुपए हुआ

विश्व केसरी■



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न (विदेशी मेडिकल स्नातक भी शामिल) का मासिक वजीफा 12,300 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए कर दिया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को इन मेडिकल इंटर्न का वजीफा तुरंत बढ़ाने का निर्देश दिया था।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, बढ़ा हुआ वजीफा 1 अक्टूबर, 2026 से पूर्वव्यापी रूप से प्रभावी होगा।

आदेश में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न को देय मासिक वजीफे में वृद्धि को मंजूरी दे दी गई है। इस संशोधन के बाद, मेडिकल और डेंटल इंटर्न को पहले के 12,300 रुपए के बजाय अब 25,000 रुपए प्रति माह मिलेंगे।

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद कि सरकार ने मेडिकल इंटर्न के मासिक वजीफे में वृद्धि करने पर सैद्धांतिक सहमति दे दी है, आंदोलनकारी मेडिकल इंटर्न सोमवार को भूख हड़ताल पर चले गए। उनका कहना था कि सरकार के आश्वासन के बावजूद कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। उमर अब्दुल्ला द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से तत्काल वेतन वृद्धि आदेश जारी करने का अनुरोध किए जाने के बाद, हड़ताल पर बैठे प्रशिक्षुओं ने कल शाम अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी।

संपादकीय

भगदड़ की त्रासदी



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में धार्मिक आयोजनों, त्योहारों, राजनीतिक रैलियों, खेल समारोहों और रेलवे स्टेशनों पर लाखों लोगों की उपस्थिति सामान्य बात है। ऐसी विशाल भीड़ यदि वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधित न हो, तो कुछ ही क्षणों में भयावह भगदड़ में बदल सकती है। भगदड़ केवल भीड़ के दौड़ने का परिणाम नहीं होती, बल्कि अत्यधिक भीड़-घनत्व, अनियंत्रित दबाव और निकासी व्यवस्था की विफलता से उत्पन्न होने वाली मानव-निर्मित आपदा है। अक्टूबर 2026 में कोलकाता दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें 19 लोगों की मृत्यु हुई, ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक तकनीक और अनुभव होने के बावजूद भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियां बनी हुई हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को कानून-व्यवस्था के बजाय आपदा जोखिम न्यूनीकरण के दृष्टिकोण से देखा जाए।

भारत में भगदड़ की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण क्षमता से अधिक भीड़ का एकत्र होना है। अनेक धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक पहुंच जाती है, जबकि स्थल की वहन क्षमता सीमित होती है। प्रयागराज महाकुंभ 2025 की घटना ने दिखाया कि जब निर्धारित क्षमता से अधिक लोग एक साथ किसी स्थान पर पहुंचते हैं, तो भीड़ का दबाव स्वयं मृत्यु का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रति वर्ग मीटर छह से अधिक लोगों का घनत्व अत्यंत खतरनाक स्थिति उत्पन्न कर देता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण आधारभूत संरचना की कमियां हैं। संकरे प्रवेश द्वार, अपर्याप्त निकास मार्ग, टूटे हुए बैरिकेड, अस्थायी पुल और अव्यवस्थित गलियारे लोगों की आवाजाही को बाधित करते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 2025 में हुई भगदड़ ने यह दिखाया कि सीमित प्लेटफॉर्म, भीड़भाड़ वाले फुटओवर ब्रिज और अनियोजित यात्री प्रवाह किस प्रकार दुर्घटना को जन्म देते हैं। जब हजारों लोग एक ही दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, तो पीछे का दबाव आगे खड़े लोगों को गिरा देता है।

तीसरा कारण अचानक उत्पन्न होने वाली भीड़ की लहर (Crowd Surge) है। अफवाह, मौसम में अचानक बदलाव, बिजली गुल होना, किसी वीआईपी के आगमन की सूचना या किसी खतरे की आशंका कुछ ही सेकंड में लोगों को एक साथ भागने पर मजबूर कर सकती है। कोलकाता दुर्गा पूजा 2026 में भारी वर्षा और अव्यवस्थित निकासी ने ऐसी ही स्थिति पैदा की। अक्सर लोग वास्तविक खतरे से नहीं, बल्कि दूसरों को भागते देखकर स्वयं भी दौड़ पड़ते हैं।

चौथा कारण आयोजनों की कमजोर योजना और जोखिम आकलन की कमी है। कई आयोजनों में आगंतुकों की संभावित संख्या का वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाया जाता। प्रवेश और निकास के समय का विभाजन नहीं किया जाता तथा भीड़ के अलग-अलग प्रवाह को नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं होती। बेंगलुरु में 2025 के आरसीबी विजय समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण की अपर्याप्त तैयारी ने इस समस्या को उजागर किया।

पांचवां कारण विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग और आयोजन समिति के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी का अभाव प्रतिक्रिया को धीमा कर देता है। आपातकालीन चिकित्सा सहायता समय पर न पहुंच पाने से कई घायल लोगों की जान चली जाती है।

इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सबसे पहले क्षमता-आधारित प्रवेश व्यवस्था लागू करनी होगी। बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में अग्रिम पंजीकरण, डिजिटल पास, समय-आधारित स्लॉट तथा निर्धारित संख्या के बाद प्रवेश रोकने जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। इससे किसी एक समय पर भीड़ का अत्यधिक दबाव नहीं बनेगा।

दूसरा, तकनीक आधारित भीड़ निगरानी को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। सीसीटीवी कैमरे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ड्रोन, रियल-टाइम भीड़ घनत्व विश्लेषण और स्वचालित चेतावनी प्रणाली प्रशासन को पहले से संकेत दे सकती है कि किस स्थान पर दबाव बढ़ रहा है। स्मार्ट सेंसरों की सहायता से भीड़ के असामान्य व्यवहार की तुरंत पहचान संभव है।

तीसरा, सुरक्षित आधारभूत संरचना विकसित करना आवश्यक है। प्रवेश और निकास मार्ग अलग-अलग होने चाहिए, पर्याप्त चौड़े गलियारे बनाए जाएं, बैरिकेड मजबूत हों और स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं। आपातकालीन निकासी गलियारों को हमेशा खाली रखा जाए ताकि आवश्यकता पड़ने पर लोग शीघ्र बाहर निकल सकें।

चौथा, आपातकालीन तैयारी को प्रत्येक बड़े आयोजन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आयोजन से पहले मॉक ड्रिल आयोजित की जाए, चिकित्सा दल, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार केंद्र तैयार रहें तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को भीड़ का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी दी जाए। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से समय-समय पर लोगों को शांत और व्यवस्थित रहने के निर्देश दिए जाएं। पांचवां, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशा-निर्देशों का कठोर पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रत्येक बड़े आयोजन से पहले सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, आयोजकों की कानूनी जवाबदेही तय की जाए और लापरवाही पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता

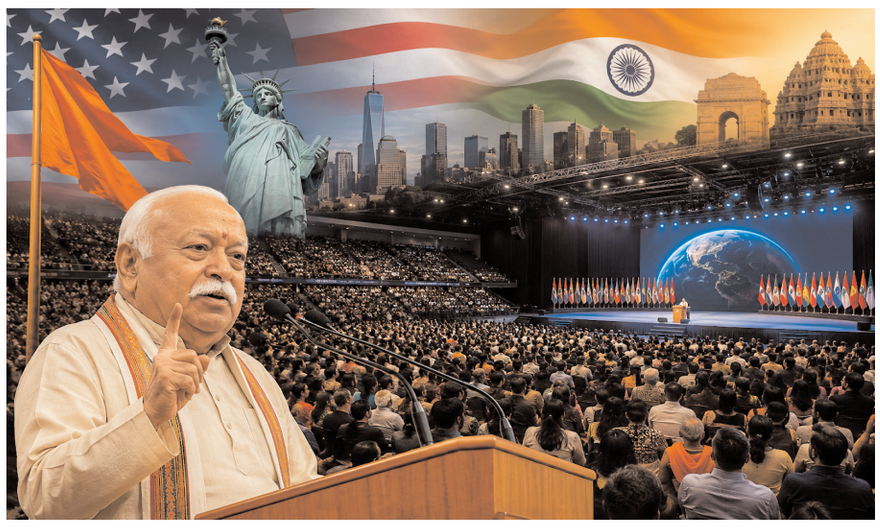


ललित गर्ग

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्बोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।

बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित की वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें।



आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वर्षों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उत्तेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रसेवा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो।

भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे।

राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्वक खड़ा हो सके। यहां किसी की देशभक्ति का निर्णय केवल उसकी धार्मिक पहचान, राजनीतिक पसंद या वैचारिक असहमति से नहीं होना चाहिए। देश के प्रति प्रतिबद्धता का मूल्यांकन उसके आचरण, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और समाज के लिए किए गए योगदान से होना चाहिए। मोहन भागवत के उद्बोधन का एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जिम्मेदारी का विचार भी है।

मतदाता सूची से नाम हटने की पीड़ा और हाशिए पर खड़ा आम आदमी



महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र में मतदान केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि नागरिक की पहचान, सम्मान और भागीदारी का प्रतीक है। जब किसी व्यक्ति को पता चलता है कि मतदाता सूची से उसका नाम हटा दिया गया है, तो यह उसके लिए केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं होती, बल्कि अपने ही देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उपेक्षित हो जाने की पीड़ा भी होती है। जिस नागरिक ने वर्षों तक मतदान करके लोकतंत्र को मजबूत किया, अचानक उसी को अपनी नागरिक भागीदारी साबित करने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, तो उसकी बेबसी समझी जा सकती है।

हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की खबरों ने इस प्रश्न को गंभीर बना दिया है। समाचारों के अनुसार, अनेक लोगों को सूची से नाम हटने के बाद दोबारा पंजीकरण कराने और अपनी पात्रता साबित करने की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली में भी लाखों मतदाताओं के नामों के पुनः सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होने की खबर सामने आई है। निर्वाचन संबंधी अभिलेखों को शुद्ध रखना आवश्यक है, लेकिन इस प्रक्रिया में किसी योग्य नागरिक का नाम गलती से हट जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इस समस्या का सबसे अधिक प्रभाव समाज के कमजोर और वंचित वर्गों पर पड़ता है। दैनिक मजदूरी करने वाला व्यक्ति एक दिन काम छोड़कर सरकारी कार्यालय जाता है, तो उसके परिवार की आमदनी प्रभावित होती है। झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों, प्रवासी मजदूरों, बुजुर्गों और अशिक्षित नागरिकों के लिए आवश्यक दस्तावेज जुटाना तथा निर्धारित प्रक्रिया पूरी करना आसान नहीं होता। जिनके पास पर्याप्त समय, संसाधन और प्रशासनिक जानकारी है, वे अपनी समस्या के समाधान का रास्ता खोज लेते हैं, लेकिन हाशिए पर खड़ा व्यक्ति अक्सर व्यवस्था की जटिलताओं के सामने असहाय हो जाता है।

सबसे अधिक पीड़ा तब होती है, जब वर्षों से मतदान करते आ रहे किसी व्यक्ति को अचानक अपनी पात्रता सिद्ध करनी पड़ती है। कहीं किसी जीवित व्यक्ति को मृत मान लिया जाता है, तो कहीं स्थान परिवर्तन या अभिलेखों की त्रुटि के कारण नाम सूची से गायब हो जाता है। निर्वाचन आयोग के अपने दिशा-निर्देश भी नाम हटाने से पहले निर्धारित प्रक्रिया, आवश्यक सत्यापन और संबंधित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देने पर बल देते हैं। इसलिए प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जाँच और समयबद्ध समाधान आवश्यक है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि मतदाता सूची की शुद्धता और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। पारदर्शी प्रक्रिया, स्पष्ट सूचना, सरल आवेदन व्यवस्था और प्रभावी शिकायत निवारण से दोनों उद्देश्यों को पूरा किया जा सकता है। नागरिक को यह जानने का अवसर मिलना चाहिए कि उसका नाम किस कारण हटाया गया और उसे पुनः शामिल कराने के लिए क्या करना होगा।

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल मतदान के आँकड़ों में नहीं, बल्कि इस विश्वास में निहित है कि प्रत्येक पात्र नागरिक की आवाज का समान महत्व है।

यदि कोई गरीब व्यक्ति अपनी पहचान और मताधिकार बचाने के लिए संघर्ष करता रह जाए, तो यह पूरी व्यवस्था के आत्ममंथन का विषय है। मतदाता सूची में नाम दर्ज रखना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि नागरिक के सम्मान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रश्न है। व्यवस्था की सफलता तभी मानी जाएगी, जब किसी पात्र नागरिक को अपनी ही पहचान साबित करने के लिए दर-दर भटकना न पड़े और उसकी लोकतांत्रिक आवाज किसी त्रुटि के कारण खामोश न हो जाए।

बोध कथा

सच्चा प्रजपालक

एक बार महाराजा अशोक के राज्य में अकाल पड़ा। जनता भूख तथा प्यास से त्रस्त हो उठी। राजा ने तत्काल राज्य में अन्न के भंडार खुलवा दिए। सुबह से लेने वालों का ताँता लगता और शाम तक न टूटता।

एक दिन संध्या हो गई। जब सब लेने वाले निकट गए तो एक कृशकाय बूढ़ा उठा और उसने अन्न माँगा। बाँटने वाले भी थक चुके थे अत: उन्होंने उसे डाँटकर कहा-कल आना आज तो अब खैरात बंद हो गई।''तभी एक हृष्ट-पुष्ट शरीर के नवयुवक जैसा व्यक्ति आया और बाँटने वालों से बोला-बेचारा बूढ़ा है। मैं देख रहा हूँ बड़ी देर से बैठा है यह।

शरीर से दुर्बल होने के कारण सबसे पीछे रह गया है। इसे अन्न दे दो।''उसकी वाणी में कुछ ऐसा प्रभाव था कि बाँटने वालों ने उसे अन्न दे दिया। उस नवयुवक की सहायता से उसने गठरी बाँध ली। अब उठे कैसे ? तब वही युवक बोला-लाओ मैं ही पहुँचाए देता हूँ।'' और गठरी उठाकर पीछे-पीछे चलने लगा।बूढ़े का घर थोड़ी दूर पर रह गया था। तभी एक सैनिक टुकड़े उधर से गुजरी। टुकड़ी के नायक ने घोड़े पर से उतर कर गठरी ले जाने वाले का फौजी अभिवादन किया।

उस व्यक्ति ने संकेत से आगे कुछ बोलने को मना कर दिया। फिर भी बूढ़े की समझ में कुछ-कुछ आ गया। वह वहीं खड़ा हो गया और कहने लगा-आप कौन हैं,सच-सच बताइए।'' वह व्यक्ति बोला-मैं एक नौजवान हूँ और तुम वृद्ध हो,दुर्बल हो। बस इससे अधिक परिचय व्यर्थ है। चलो बताओ तुम्हारा घर किधर है।'' पर अब तक बूढ़ा पूरी तरह पहचान चुका था। वह पैरों में गिर गया और क्षमा माँगते हुए बड़ी मुश्किल से बोला-प्रजापालक आप सच्चे अर्थों में प्रजापालक हैं।''

कविता

प्रेम की अर्थव्यवस्था



रविकान्त राऊत

तुम गांव में रहती थी,
पढ़ने में तेज़
मैं भी उसी गांव से था और शहर में रहता था
तेरे सपनों का मान रख तेरे पिता ने
इज़ाजत दे दी उन्हें पूरा करने की
और मेरे भरोसे पर शहर भेज दी गयी तुम .
थोड़ा वक़्त भी न गुज़रा था कि
तुम्हें हवा लग गयी शहर की
पुराने सपने नई शक़्लें अख़्तियार करने लगे
देख रहा हूं आजकल
तुम्हारे कपड़ों की बढ़ती पारदर्शिता
और
डिज़ाइनर-आउट्फिट्स में लगाये गये टेलर-मेड कट्स से
झांकते तेरे अंगों की 'पूर्वानुमेयता' (Predictability)
मेरे मन में 'मुद्रा' (Currency) की तरह
तेरे 'मूल्य' (Value) को लेकर
एक संशय की स्थिति निर्मित कर रही है .
आसान है मेरे लिये , छोड़ दूं तुझे तेरे हाल पर
पर तेरे पिता की इच्छा थी मैं रहूं
'रिज़र्व-बैंक' की तरह, सदा तेरे संग
जिसका काम ही होता है हर हाल में
'मौद्रिक-स्थिरता' ('Monetary stability') को क़ायम रखना

व्यंग्य केसरी

चिंतन-मनन की बेला है...!

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

देश की एक सौ चालीस साल पुरानी पार्टी आज नेतृत्व के अभाव में अपने विजन विहीन अस्तित्व के गहरे संकट से गुजर रही है उसकी वजह से चंद राज्यों में सिमट कर रह गई है। उसकी हालत इतनी पतली हो गई है कि वह सड़क पर हो-हल्ले और हँगामा करने पर उतर आई है। चूँकि उसके अपने पूर्व के काले कारनामों की वजह से जनता द्वारा उसे सत्ता से दरकिनार कर दिया गया है और वह समय की कसौटी पर अप्रासंगिक हो चुकी है।

अहिंसा के पुजारी महात्मा गाँधी के नाम का अपने उपनाम के रूप में इस्तेमाल कर उनके पदचिह्नों पर चलने की बजाए उन्हीं महात्मा की आत्मा की हत्या कर देश को अराजकता की आग में झोंकने पर तुली हुई है।

जिस पार्टी को आज अपनी पराजय पर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। वह उसके स्थान पर अपने दिशाहीन नेता के नेतृत्व में सत्तापक्ष को गरियाने और स्वायत्त संस्थाओं को बदनाम करने में लगी है। संसद में जन हित के मुद्दे उठाने और सार्थक बहस करने की बजाए फिजूल की बकवास करने और सड़क पर उतरकर, आंदोलन चलाकर प्रगति-पथ पर गतिमान रथ के पंथ को बाधित करने में लगी है।

उसका नेता काल के देवता शिव के नाम पर ताँडव के ज़रिए खुद अपना ही भस्मासुर बना जा रहा है।

जबकि उसे मालूम होना चाहिए कि शिव के आराध्य स्वयं श्रीराम हैं। शिव का स्पष्ट कथन है कि श्रीराम उनके आराध्य हैं और उनका विद्रोही, उनका विद्रोही है, पर अज्ञानी श्रीराम के परमात्म स्वरूप से अनभिज्ञ है। यहाँ तक की पार्टी के सत्ता लोभी अँधभक्त जान-बूझकर श्रीराम विरोधी अपने आका को खुश करने के लिए कभी स्वयं श्रीराम द्वारा निर्मित रामसेतु के विरोधी रहे हैं।

जबकि नासा जैसी प्रसिद्ध वैज्ञानिक संस्थान ने रामसेतु की तस्वीरों को दिखाकर यह प्रमाणित कर दिया कि हजारों साल पहले रामसेतु बनाया गया था। उन्हीं श्रीराम के अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण का होना और उद्घाटन के अवसर आमंत्रण के बावजूद अनुपस्थित रहना, यह दर्शाता है कि पार्टी और उसके नेताओं का अवघ पति के प्रति आस्था और विश्वास क् स्थान पर मन में उपेक्षा और घृणा का भाव भरा हुआ है।

जबकि वहीं पर घट-घट के वासी श्रीराम के प्रति देश की सवा सौ करोड़ जनता का अटूट विश्वास है। उसी के परिणामस्वरूप हजारों साल से देशवासियों के मन-मस्तिष्क में सनातन संस्कृति जीवंत है। जोकि समस्त मानव जीवन की आधार शिला है। जोकि मुक्ति का सर्व सुलभ मार्ग है। उन मर्यादा पुरुषोत्तम की अवहेलना कर कोई भी धार्मिक व्यक्ति, समुदाय और समाज अपनी पहचान कायम नहीं रख सकता है। यही इस जगति का शाश्वत सत्य है। जो भी व्यक्ति इस सत्य को नकारने या नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करता है एक दिन उसका विनाश सुनिश्चित है। दरअसल सभी विपक्षी पार्टियों के लिए यह चिंतन-मनन की बेला है...!

इतिहास

22 अक्टूबर का इतिहास भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है, जिनमें 2008 में चंद्रयान-1 का सफल प्रक्षेपण और 1963 में भाखड़ा नांगल परियोजना का राष्ट्र को समर्पण प्रमुख हैं।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1680: मेवाड़ के राणा राज सिंह का निधन हुआ।

1797: आंद्रे-जैक्स गार्नेरिन ने पैराशूट से पहली बार छलांग लगाई।

1879: ब्रिटिश शासन के खिलाफ वासुदेव बलवंत फड़के पर पहला राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया।

1836: सेम ह्यूस्टन टेक्सास गणराज्य के पहले राष्ट्रपति बने।

1963: भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना 'भाखड़ा नांगल' राष्ट्र को समर्पित की गई।

1975: सोवियत संघ का मानवरहित अंतरिक्ष यान 'वेनेरा-9' शुक्र ग्रह की सतह पर उतरा।

सोंठी में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की कवायद तेज, 60 परिवार होंगे प्रभावित

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। ग्राम सोंठी में रेलवे के टेमर समपार क्रमांक 320 पर प्रस्तावित ओवरब्रिज निर्माण को लेकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है।

अधिसूचना के मुताबिक सक्ती तहसील के ग्राम सोंठी में 0.3481 हेक्टेयर भूमि लोक प्रयोजन के लिए अर्जित की जानी है। इस परियोजना का उद्देश्य रेलवे समपार पर ओवरब्रिज का निर्माण कर सड़क और रेल यातायात को अधिक सुगम बनाना है।

भूमि अधिग्रहण से जुड़े सामाजिक समाधान निर्धारण के लिए 2 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत भवन सोंठी में जन सुनवाई आयोजित की जाएगी। प्रभावित परिवार और अन्य संबंधित व्यक्ति इस दौरान अपने सुझाव, आपत्तियां एवं दावे प्रस्तुत कर सकेंगे।

अधिसूचना में बताया गया है कि प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण से प्रत्यक्ष रूप से 60 परिवार प्रभावित होंगे। वहीं निजी मकानों तथा अन्य परिसंपत्तियों को प्रभावित होने की संख्या निरंक दर्शाई गई है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत करीब 67.86 करोड़ रुपये बताई गई है। प्रशासन के अनुसार ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्र में सड़क एवं रेल यातायात का संचालन बेहतर और सुगम हो सकेगा।

प्रशासन ने संबंधित नागरिकों से जन सुनवाई में उपस्थित होकर अपनी बात रखने की अपील की है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि प्रभावित लोगों के सामाजिक समाधान की प्रतिपूर्ति के लिए शासन के नियमानुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

बता दे ग्राम पंचायत सोंठी के लोग लंबे समय से शासन एवम रेलवे से यू आकार का ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग कर रहे हैं साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा इसके लिए प्रस्ताव पारित भी किया गया है, प्रभावित ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान टेमर समपार फाटक पर सीधा ओवर ब्रिज बनाए जाने से कई प्रकार की समस्या आएगी जैसे वर्तमान में हैवी ट्रक जो की नंदेली बोइरडीह होकर फाटक की ओर आ रहे हैं यह मार्ग हाईवे ट्रैकों के लिए बंद हो जाएगा और सभी ट्रकों को शनि मंदिर,झूलकदम होकर टेमर समपार तक आना होगा, इससे शक्ति शहर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाएगा इसके चलते दुर्घटना की संभावना हमेशा बनी रहेगी, 60 परिवारों को रोजी-रोटी छिन जाएगा दुकान मकान टूटने से, 50 से अधिक छायादार अर्जुन वृक्ष कट जाएंगे जिससे पर्यावरण पर भी नुकसान पड़ेगा, रेलवे की रेक पॉइंट तक पहुंचने में ट्रैकों को 5 से 7 किलोमीटर अधिक दूरी तय करना पड़ेगा, इससे मालगाड़ी को अधिक समय में भरा जाएगा जिससे रेलवे को ही नुकसान होगा, इसके अलावा ग्राम पंचायत सोंठी के किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर दफन के लिए जाते समय डेढ़ से 2 किलोमीटर अधिक दूरी तय करना पड़ेगा, इसके विपरीत यू आकार का ब्रिज बनने से केवल कृषि भूमि का अधिग्रहण करना पड़ेगा, ब्रिज बनाते समय बाधा भी उत्पन्न नहीं होगी, वर्तमान में जो फाटक है उससे ब्रिज बनते तक आवागमन चलता रहेगा, वही ग्राम वासी 500 मीटर में दो ओवर ब्रिज बनाए जाने से हैरान है जबकि लागत 67 करोड़ से अधिक आ रहा है, ग्रामीण इस बात को जनसुनवाई में रखने की बात कह रहे हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। देश की सुरक्षा, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिसकर्मियों के सम्मान में बुधवार को रक्षित केंद्र बलरामपुर में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शहीद परिजनों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। पूरा आयोजन शहीदों के प्रति कृतज्ञता और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देने वाला रहा।

कार्यक्रम में कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज एवं पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर (भा.पु.से.) सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी, जिले के समस्त पुलिस अनुविभागीय अधिकारी, मुख्यालय के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारी, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि तथा शहीद परिजन उपस्थित रहे।

परेड और सलामी के साथ शहीदों को किया नमन

पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत परेड के साथ हुई। रक्षित निरीक्षक एवं परेड कमांडर विमलेश कुमार देवांगन ने पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के आगमन पर उन्हें सलामी दी। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक ने देशभर में कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों के नामों का वाचन किया।

शहीदों की सम्मान सूची को शहीद स्मारक पर स्थापित किया गया और वीर जवानों की स्मृति में सलामी दी गई। इसके बाद उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, गणमान्य नागरिकों और शहीद परिजनों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धासुमन समर्पित किए। इस दौरान देश की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के योगदान को याद किया गया।

शहीद परिजनों का सम्मान, परिवारों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश

कार्यक्रम का महत्वपूर्ण पहलू शहीद परिवारों का सम्मान रहा। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने शहीद परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक रहा, जिन्होंने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों का सर्वोच्च बलिदान सहा है। शहीदों का बलिदान केवल पुलिस विभाग की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। उनके त्याग और समर्पण को स्मरण करते हुए उपस्थित लोगों ने राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

कपिस्दा-बंसुला मार्ग निर्माण धीमी गति से, धूल के गुबार से ग्रामीण हलाकान

विश्व केसरी■



बम्हनीडीह (नीरज शर्मा)। विकास के दावों के बीच कपिस्दा से बंसुला तक सड़क निर्माण की धीमी रफ्तार ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सड़क निर्माण में देरी के चलते ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं उड़ती धूल से लोग परेशान हैं। हैरानी की बात यह है कि निर्माण कार्य पूरा करने की निर्धारित समय सीमा 9 सितंबर 2026 बीत चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आधे से अधिक काम अधूरा होने की बात सामने आ रही है।

तीन किलोमीटर सड़क, लागत 3 करोड़ 10 लाख रुपये!

कपिस्दा से बंसुला तक लगभग 3 किलोमीटर सड़क का निर्माण 3 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से पी डब्ल्यू डी विभाग द्वारा कराया जा रहा है। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य की धीमी गति ने कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर तय समय पर काम पूरा क्यों नहीं हुआ? निर्माण में देरी के लिए जिम्मेदार कौन है? इन सवालों का जवाब ग्रामीण संबंधित विभाग से चाहते हैं।

धूल के गुबार से ग्रामीण परेशान, इंजीनियर की निगरानी पर सवाल

सड़क निर्माण की सुस्त रफ्तार के बीच उड़ती धूल ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा रही है। वहीं, विभागीय इंजीनियर के नियमित रूप से निर्माण स्थल पर मौजूद नहीं रहने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। निर्माण कार्य पेटी ठेके पर कराए जाने की चर्चा के बीच निर्माण की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के बीच ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है।

विजयादशमी पर एसपी वैभव बैंकर ने किया शस्त्र पूजन

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। विजयादशमी के पावन अवसर पर बलरामपुर जिले में आस्था, परंपरा और कर्तव्यनिष्ठा का संगम देखने को मिला। मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर (भापुसे) ने पुलिस लाइन बलरामपुर में विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया और मां दुर्गा की आरती कर जिले की सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दशहरा पर्व मनाया।

पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने परंपरा के अनुरूप शस्त्रों की पूजा-अर्चना की। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है, जो कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस, अनुशासन और जनसुरक्षा के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। पूजन के उपरांत पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस बल के बीच पर्व का उत्साह और पारंपरिक उल्लास दिखाई दिया।

मायापुरी पांडाल, मेला ग्राउंड में गरबा की धूम



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शारदीय नवरात्रि माताराती की शक्ति श्रद्धा आराधना का महापर्व में सभी तरफ अनेकों कार्यक्रम आयोजित होती है , इस्कान टेम्पल तर्ज पर आधारित कई फिट उंची मायापुरी पंडाल, शिवरीनारायण जिसमें विराजित भव्य एवं आकर्षक 35 फिट उंची माताराती की प्रतिमा है।

इस पंडाल मे प्रतिदिन अनेको आकर्षक कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार समिति द्वारा आयोजित कराया गया, ऐसे मे सार्वजनिक गरबा ग्रुप, शिवरीनारायण जिसकी कोरियोग्राफर एवं संचालिका राजलक्ष्मी केसरवानी द्वारा माताराती के दरबार मे भव्य गरबा एवं डांडिया नृत्य की दो दिवसीय मनमोहक प्रस्तुति देर रात तक दी गयी,गरबा प्रशिक्षण मे साथ देने वाली टीम मेम्बर ईशा कैवर्त्य एवं आराध्या कटकवार सभी ने गरबा ग्रुप तैयार करने मे भरपुर सहयोग एवं साथ दिया। निर्णायक मे ट्रिनिटी कान्वेंट स्कूल की संचालिका आशिष रोशनी पटेल शिवरीनारायण से एवं जैश्मीन मारिया भरत नाट्यम शिक्षिका बस्तर से गरबा प्रतिभागियो को अपना निर्णय देने पंडाल मे समयानुसार पहुंची एवं मंच संचालन शरद पांडेय द्वारा किया गया। निर्णायको एवं महाराज जी का बुके एवं चुनरी ओढाकर स्वागत किया गया। कोरियो ग्राफर राजलक्ष्मी केसर वानी, आराध्या कटकवार एवं ईशा कैवर्त्य द्वारा सर्वप्रथम गणेश वन्दना नृत्य एवं गीत के माध्यम से प्रस्तुत की गयी।

कर्मा पर्व पर कोलुआ में दिखा अपनत्व का रंग

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी खुशियों में सहभागी बनना और सामाजिक परंपराओं के साथ जुड़ाव बनाए रखना जनप्रतिनिधित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी क्रम में जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा ने बलरामपुर जिले के कोलुआ गांव में ग्रामीणों के साथ कर्मा त्योहार मनाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ समय बिताया और आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव तथा सामाजिक एकता को मजबूत बनाए रखने का संदेश दिया। वहीं, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अनिल कुशवाहा का भी क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों और जनसंपर्क के संदर्भ में उल्लेख किया जा रहा है।

कोलुआ गांव में कर्मा त्योहार के अवसर पर ग्रामीणों के बीच पहुंचकर बेला अनिल कुशवाहा ने स्थानीय लोगों के साथ खुशियां साझा कीं। ग्रामीण अंचलों में त्योहार केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज को एक सूत्र में पिरोने, पारंपरिक संस्कृति को सहेजने और आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने का माध्यम भी होते हैं। ऐसे अवसरों पर ग्रामीणों के साथ शामिल होना जनप्रतिनिधि और जनता के बीच आत्मीयता तथा संवाद को बढ़ावा देता है।

कोलुआ में ग्रामीणों के साथ मनाया कर्मा पर्व- कर्मा पर्व आदिवासी एवं ग्रामीण संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण त्योहार है।

लखनपुर में परंपरा के अनुसार एक दिन बाद मना दशहरा कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया रावण दहन

विश्व केसरी■



लखनपुर (रविशंकर गुप्ता)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी का पर्व लखनपुर में अपनी विशिष्ट परंपरा के अनुसार एक दिन बाद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सरगुजा रियासत और यहां के ऐतिहासिक गढ़ से जुड़ी दशहरे की यह परंपरा आज भी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई है। बुधवार को लखनपुर के साक्षरता मिनी स्टेडियम में आयोजित भव्य दशहरा समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने रावण दहन किया। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी और विशेष रूप से तैयार की गई 3डी आतिशबाजी ने लोगों का मन मोह लिया। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मिनी स्टेडियम पहुंचे।

कैबिनेट मंत्री ने किया रावण दहन 3डी आतिशबाजी ने मोहा मन

साक्षरता मिनी स्टेडियम में आयोजित दशहरा समारोह में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने रावण दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। रावण का पुतला धू-धूकर जलते ही पूरा मैदान जयकारों और तालियों से गूंज उठा। रंग-बिरंगी आतिशबाजी और 3ष्ठ आतिशबाजी के विशेष प्रदर्शन ने आयोजन को और आकर्षक बना दिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में विधायक प्रबोध मिंज सहित नरेंद्र पांडे, सुरेश साहू, कृपा शंकर गुप्ता, राकेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, दिनेश साहू और राकेश साहू समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

1974 में छोटे स्तर पर हुई थी शुरुआत, 1990 से आयोजन ने पकड़ी भव्यता

लखनपुर में साक्षरता मिनी स्टेडियम में रावण दहन की शुरुआत लगभग वर्ष 1974 में छोटे स्तर पर हुई थी। धीरे-धीरे यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल हो गया। वर्ष 1990 से दशहरा सेवा समिति के माध्यम से रावण दहन कार्यक्रम को व्यवस्थित और भव्य स्वरूप दिया जाने लगा। समिति के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजन की परंपरा आगे बढ़ती रही।

नगर में दशहरे की धूम, खचाखच भरा मेला ग्राउंड और मां दुर्गा का दरबार

शाम 5 बजे निकलेगी श्रीराम की रथयात्रा, गाजे-बाजे के साथ होगा रावण दहन

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में विजयादशमी दशहरा पर्व को लेकर उत्साह चरम पर है। नगर के मेला ग्राउंड में दशहरा उत्सव की रौनक देखते ही बन रही है। मेला ग्राउंड और मां दुर्गा के भव्य पंडाल में श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। चारों ओर उत्सव का माहौल है और पूरा नगर दशहरे के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

दशहरा उत्सव के तहत मंगलवार शाम 5 बजे भगवान श्रीराम की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। गाजे-बाजे और धार्मिक उल्लास के बीच निकलने वाली इस रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। रथयात्रा के पश्चात मेला ग्राउंड में बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण दहन किया जाएगा। नगर में दशहरा पर्व को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मेला ग्राउंड में रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। वहीं, मां दुर्गा के भव्य दरबार में भी श्रद्धालु पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दशहरा उत्सव को लेकर खासा उत्साह है।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व भगवान श्रीराम की विजय और धर्म की स्थापना का संदेश देता है। शिवरीनारायण में आयोजित दशहरा उत्सव धार्मिक आस्था, परंपरा और सामाजिक उत्साह का अनूठा संगम बन गया है।

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। कलेक्टर जयश्री जैन ने कलेक्टोरेट कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न विभाग अंतर्गत लंबित समय सीमा के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने आगामी नवम्बर माह में आयोजित होने वाले राज्योत्सव समारोह 2026 के गरिमामय आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बताया कि जिला मुख्यालय में 2 नवंबर 2026 को एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन किया जाना है। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभागीय प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 1 नवंबर से 3 नवंबर तक की रात्रि में जिला मुख्यालय में स्थित शासकीय भवनों पर रोशनी किए जाने तथा निजी संस्थाओं को भी रोशनी किए जाने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राज्योत्सव समारोह के आयोजन के लिए मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, टेंट, विद्युत व्यवस्था, पेयजल आदि आधारभूत व्यवस्थाओ को सुव्यवस्थित सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए है।

एस्सार पोर्ट्स को कांडला के टूना टेकरा बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल के लिए मिला एलओए

18.33 एमटीपीए क्षमता वाला बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल विकसित करेगी कंपनी

विश्व केसरी



मुंबई। एस्सार पोर्ट्स लिमिटेड को गुजरात के कांडला स्थित टूना टेकरा में बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल विकसित करने के लिए दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण (डीपीए) से आशय-पत्र (एलओए) प्राप्त हुआ है। कंपनी इस परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निर्माण, संचालन और हस्तांतरण (बीओटी) आधार पर विकसित करेगी। वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में एस्सार पोर्ट्स सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी।

इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2,276.06 करोड़ रुपए है। इसमें एस्सार पोर्ट्स 1,552.57 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी, जबकि 723.49 रुपए करोड़ का योगदान दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण करेगा। यह परियोजना एस्सार पोर्ट्स की कारोबारी विस्तार रणनीति और भारत के बंदरगाह अवसंरचना क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत के पश्चिमी तट पर रणनीतिक रूप से स्थित यह प्रस्तावित टर्मिनल देश के समुद्री बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, माल ढुलाई और कार्गो प्रबंधन की क्षमता बढ़ाने तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

एस्सार समूह पांच दशकों से अधिक के उद्यमशीलता अनुभव वाला वैश्विक कारोबारी समूह है। यह ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, धातु एवं खनन, प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में विश्वस्तरीय परिसंपत्तियों की परिकल्पना, निवेश, निर्माण और संचालन के क्षेत्र में सक्रिय है। वर्तमान में एस्सार पोर्ट्स के पोर्टफोलियो में गुजरात, इंडोनेशिया और ब्रिटेन में लगभग 60 एमटीपीए की परिचालन क्षमता शामिल है। कंपनी भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने बंदरगाह कारोबार का विस्तार कर रही है।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 143 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

विश्व केसरी



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 143.21 अंक या 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,709.69 और निफ्टी 77.60 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,811.35 पर था।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 922.10 अंक या 1.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57,565.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 448.45 अंक या 2.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,487.30 पर था।

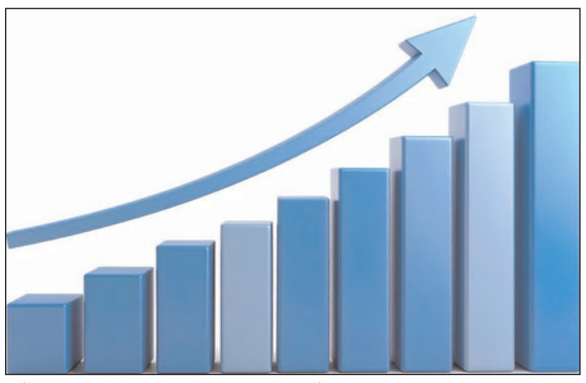
बाजार में सबसे अधिक दबाव डिफेंस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल स्टॉक्स में देख गया। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस (2.49 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (1.86 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (1.71 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ लूजर्स थे। निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी पीएसई भी लाल निशान में बंद हुए। केवल निफ्टी आईटी और निफ्टी सर्विसेज ही हरे निशान में बंद हुए।

सूचकांकों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक गेनर्स थे। बजाज फाइनेंस, इटरनल, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक, बीईएल, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, टाइटन, एसबीआई, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी लूजर्स थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त टिक नहीं पाई। इसकी वजह कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और एफआईआई की लगातार बिकवाली थी। ऑटो, फाइनेंशियल, मेटल और रियल्टी सेक्टर में मुनाफावसूली तेज रही, जो महंगाई और मार्जिन के दबाव को लेकर चिंताएं दिखाती है। वहीं, बेहतर कमाई की संभावनाओं और निवेशकों की नई दिलचस्पी के चलते आईटी सेक्टर ने काफी मजबूती दिखाई।

भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में तीसरी तिमाही में 33 सौदे हुए, वैल्यू 1.7 अरब डॉलर रही

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में 2026 की तीसरी तिमाही में 1.7 अरब डॉलर के 33 सौदे दर्ज किए गए। यह पिछली तिमाही के 71.7 करोड़ डॉलर के 20 सौदों से काफी अधिक है। इस वृद्धि के पीछे विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए), निजी पूंजी निवेश और सार्वजनिक बाजार से दोबारा धन जुटाने की गतिविधियों में तेजी प्रमुख कारण रहे। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछली तिमाही की तुलना में सौदों की संख्या में 65 प्रतिशत और उनके कुल मूल्य में 131 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बदलाव निवेश का प्रमुख विषय बना रहा। निवेशकों ने ईवी निर्माताओं, बैटरी तकनीक, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी प्लेटफॉर्म और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में पूंजी लगाई।

रिपोर्ट में कहा गया कि निवेशकों ने ऐसी कंपनियों को प्राथमिकता देना जारी रखा, जिनका कारोबारी मॉडल बड़े स्तर पर विस्तार करने में सक्षम है, जिनके पास अलग पहचान वाली तकनीक है और जो भारत के बदलते मोबिलिटी इकोसिस्टम में मजबूत स्थिति रखती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) और प्राइवेट इक्विटी या वेंचर कैपिटल (पीई/वीसी) गतिविधियों के तहत कुल 808 मिलियन डॉलर के 28 सौदे हुए। इस तिमाही के आंकड़े ऐसे समय में मोबिलिटी और इलेक्ट्रिफिकेशन के दीर्घकालिक अवसरों में निवेशकों के निरंतर भरोसे को दर्शाते हैं, जब फंडिंग के मामले में निवेशक चुनिंदा कंपनियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत में ऑटोमोटिव एवं ईवी इंडस्ट्री के लीडर और पार्टनर साकेत मेहरा ने कहा, 'ऑटोमोबाइल सेक्टर निवेश के एक नए चक्र में प्रवेश कर रहा है, जो मोबिलिटी के क्षेत्र में हो रहे बदलावों से प्रेरित है। अब पूंजी केवल वाहन निर्माताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि बैटरी, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और मोबिलिटी प्लेटफॉर्म सहित पूरे इकोसिस्टम में तेजी से निवेश किया जा रहा है।'

मेहरा के अनुसार, यह रुझान दर्शाता है कि निवेशक भारत में मोबिलिटी क्षेत्र की वृद्धि के अगले चरण को समर्थन देने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमताओं को विकसित करने वाली कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा, 2026 की तीसरी तिमाही में एमएंडए गतिविधियों के तहत 389 मिलियन डॉलर के 12 सौदे हुए, जबकि पिछली तिमाही में 138 मिलियन डॉलर के पांच सौदे दर्ज किए गए थे।

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलेगा : उद्योग जगत

विश्व केसरी



नई दिल्ली। उद्योग संगठन एसोचैम ने बुधवार को भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने का स्वागत करते हुए कहा कि यह समझौता विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी को और मजबूत करेगा तथा निर्यातकों, विनिर्माण क्षेत्र और छोटे कारोबारों के लिए नए अवसर पैदा करेगा।

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने इस समझौते को दोनों देशों के लिए लाभकारी साझेदारी बताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के बाजार में मिलने वाली ड्यूटी-फ्री पहुंच भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), कारीगरों, किसानों और महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद साबित होगी। उन्होंने कहा, 'इस समझौते की वास्तविक सफलता उन अवसरों से मापी जाएगी, जो यह पैदा करेगा और दोनों देशों के लोगों के जीवन पर जो सकारात्मक प्रभाव डालेगा।'

मिंडा ने यह भी कहा कि भारत से न्यूजीलैंड के लिए पहली बार निर्यात की गई जेसीबी मशीन, जिसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रवाना किया, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत के 8,284 उत्पाद वर्गों (टैरिफ लाइन्स) पर तत्काल शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान की है। इससे फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, मशीनरी, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, फुटवियर तथा चमड़ा उद्योग जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

उद्योग संगठन के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का न्यूजीलैंड को निर्यात 71.1 करोड़ डॉलर रहा था, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 56.7 करोड़ डॉलर रहा। इसी अवधि में न्यूजीलैंड से भारत का आयात क्रमश: 58.7 करोड़ डॉलर और 58.9 करोड़ डॉलर रहा।

भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 12.4 करोड़ डॉलर का व्यापार अधिशेष दर्ज किया था, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में मामूली 2.2 करोड़ डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज किया गया। समझौते में कीवी फल, सेब, शहद, बागवानी, वानिकी और पशुपालन जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष कार्ययोजनाएं भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य तकनीकी हस्तांतरण, प्रशिक्षण और उत्पादकता बढ़ाना है।

वहीं भारत ने लकड़ी, ऊन और भेड़ के मांस जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क तत्काल समाप्त करने पर सहमति जताई है, जबकि 35.6 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क 10 वर्षों की अवधि में चरणबद्ध तरीके से समाप्त किए जाएंगे। समझौते के तहत मनुका हनी और कीवी फल जैसे चुनिंदा उत्पादों पर कोटा-आधारित रियायतों का भी प्रावधान किया गया है।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने डार्क वेब पर 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड लीक होने की पुष्टि की

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने बुधवार को एक डेटा ब्रीच की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड डार्क वेब पर उजागर पाए गए हैं।

बैंक ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसे अपने थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और सीईआरटी-इन से ग्राहक डेटा के संभावित लीक होने संबंधी अलर्ट प्राप्त हुए थे।

एसबीआई के अनुसार, डार्क वेब पर उपलब्ध लगभग 3.75 लाख रिकॉर्ड के प्रारंभिक विश्लेषण के दौरान 3,897 ऐसे ग्राहक रिकॉर्ड की पहचान की गई, जिनमें व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) मौजूद थी। बैंक ने बताया कि उजागर हुए डेटा में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, नाम, लिंग, ईमेल आईडी, आवासीय पते, शाखा और सीआईएफ पहचान संख्या, लीड आईडी तथा ऋण और लीड रिकॉर्ड से संबंधित मेटाडाटा एवं अन्य फाइलें शामिल थीं। सरकारी बैंक ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उसने अपनी साइबर घटना प्रतिक्रिया और नियंत्रण प्रक्रिया सक्रिय कर दी। साथ ही मामले की विस्तृत जांच और संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए सीईआरटी-इन द्वारा अनुमोदित एक स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी को नियुक्त किया गया है।

बैंक के अनुसार, फिलहाल विस्तृत जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि डार्क वेब पर मौजूद डेटा कितना प्रामाणिक और पूर्ण है, इसका स्रोत क्या है, डेटा कितनी मात्रा में उजागर हुआ है और इससे जुड़े संभावित जोखिम क्या हैं।

एसबीआई ने स्पष्ट किया कि इस घटना का उसके मुख्य व्यावसायिक संचालन, वित्तीय प्रदर्शन या कारोबार की निरंतरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। बैंक की सभी प्रमुख सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं और ग्राहकों की बैंकिंग सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं आया है।

बैंक ने कहा कि जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक और निवारक कदम उठाए जा रहे हैं।

बुधवार दोपहर 12.18 बजे के करीब एनएसई पर एसबीआई के शेयरों में 0.61 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली और यह 967 के करीब कारोबार करता नजर आया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 52 सप्ताह में एसबीआई का उच्चतम स्तर 1,234.70 रुपए और न्यूनतम स्तर 900.95 रुपए रहा है। पिछले 6 महीने में स्टॉक 13 प्रतिशत गिरा है, जबकि पिछले 1 वर्ष में स्टॉक ने 6.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 5 वर्षों में इसने 92.30 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को मुनाफा कराया है।

गौरतलब है कि सप्ताह की शुरुआत में 'सिरियसिम' नामक एक हैकर समूह ने दावा किया था कि उसने एसबीआई से जुड़े गोपनीय ग्राहक डेटा हासिल कर लिए हैं। इनमें ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारियां, ऋण आवेदन और खाता खोलने से संबंधित दस्तावेज शामिल होने का दावा किया गया था।

इस दावे को साइबर सुरक्षा निगरानी से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट साइबरपल्स56 ने भी एक्स पर साझा किया था।

पोस्ट के अनुसार, हैकर समूह के पास सीएसवी प्रारूप में लगभग 3.75 लाख डेटा एंट्री और 2,722 पीडीएफ दस्तावेज मौजूद होने का दावा किया गया है, जो देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से संबंधित बताए गए हैं।

केंद्र सरकारी बैंकों में एफडीआई की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर कर रही विचार

विश्व केसरी



नई दिल्ली। केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संबंध में वित्त मंत्रालय ने एक प्रारूप कैबिनेट नोट तैयार किया है और प्रस्तावित बदलाव पर अन्य मंत्रालयों से राय मांगी है।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। केंद्रीय बैंक ने हाल ही में सरकार को पत्र लिखकर सरकारी बैंकों में एफडीआई सीमा बढ़ाने पर जल्द विचार करने की सिफारिश की है।

फिलहाल निजी क्षेत्र के बैंकों में एफडीआई की सीमा 74 प्रतिशत है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह केवल 20 प्रतिशत तक सीमित है। देश के 12 सरकारी बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में सबसे अधिक 11.07 प्रतिशत विदेशी निवेश है। इसके बाद केनरा बैंक में 10.55 प्रतिशत एफडीआई हिस्सेदारी दर्ज की गई है।

हालांकि, इस विषय पर अब तक वित्त मंत्रालय या आरबीआई की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस बीच, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह मजबूत बना हुआ है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में एफडीआई प्रवाह 6 प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 18.62 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अप्रैल में एफडीआई लगभग दोगुना होकर 12.1 अरब डॉलर रहा, जो एक वर्ष पहले इसी महीने 6.6 अरब डॉलर था। इसके बाद मई में यह घटकर 2.8 अरब डॉलर रहा, जबकि जून में फिर बढ़कर 4.91 अरब डॉलर पर पहुंच गया। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र ने सबसे अधिक 7.04 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया। इसके बाद कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में 2.84 अरब डॉलर, व्यापार क्षेत्र में 1.92 अरब डॉलर, गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र में 1.24 अरब डॉलर और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में 62.2 करोड़ डॉलर का निवेश आया।

मिडिल ईस्ट तनाव, मजबूत डॉलर और ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से कीमती धातुओं पर दबाव

विश्व केसरी



नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोतरी की आशंका से सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान, वैश्विक बाजार से लेकर घरेलू कमोडिटी बाजार तक दोनों कीमती धातुएं दबाव में नजर आईं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर बुधवार को सोने और चांदी दोनों में गिरावट देखी गई। खबर लिखे जाने तक सोना 0.23 प्रतिशत कमजोर होकर 4,133 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया। वहीं चांदी 1.03 प्रतिशत फिसलकर 57.405 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही थी।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया, तो वहीं चांदी 2.09 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना खबर लिखे जाने तक करीब 519 रुपए या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,46,000 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। दिन के कारोबार में सोना अपने पिछले बंद 1,46,519 रुपए से 0.13 प्रतिशत टूटकर 1,46,328 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, लेकिन बाद में यह 830 रुपए यानी 0.56 प्रतिशत फिसलकर 1,45,689 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, एमसीएक्स पर चांदी 2,267 रुपए यानी 1.07 प्रतिशत टूटकर 2,09,218 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई। दिन की शुरुआत इसने अपने पिछले बंद 2,11,485 रुपए से 1,085 रुपए यानी 0.51 प्रतिशत गिरकर 2,10,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर की। हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 2,684 रुपए यानी 1.26 प्रतिशत फिसलकर 2,08,801 रुपए प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ी अस्थिरता और क्षेत्रीय तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा गया था। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी ऊर्जा के प्रमुख खरीदारों पर लगने वाले अतिरिक्त टैरिफ हटाने के फैसले ने भी वैश्विक कमोडिटी बाजारों का ध्यान आकर्षित किया।

कम उम्र से ही हड्डियां क्यों होने लगती है कमजोर, ऑस्टियोपोरोसिसस न हो इसके लिए पहले से क्या करना चाहिए



हड्डियां हमारे शरीर का मुख्य आधार है लेकिन आजकल युवा उम्र से ही लोगों की हड्डियां कमजोर होने लगती है. हड्डियों कमजोर होने की सबसे बड़ी बीमारी है ऑस्टियोपोरोसिस. ऐसे में सवाल उठता है कि अगर किसी को ऑस्टियोपोरोसिस हो जाए तो कैसे पता करें कि उसे ऑस्टियोपोरोसिस है या ऑस्टियोपोरोसिस हो ही नहीं, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए.

हड्डियां कमजोर होना जिंदगी को दूभर करने जैसा है. कमजोर हड्डियों के सहारे आप कोई भी शारीरिक काम सही से नहीं कर सकते हैं. हड्डियों की एक गंभीर बीमारी होती है ऑस्टियोपोरोसिस. आमतौर पर यह बुजुर्गों में होती है. लेकिन आजकल 40-50 साल की उम्र में भी लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी होने लगी है. इसमें हड्डियां हमेशा चटकती रहती है और क्षणभंगुर हो जाती है.यहां तक कि चलने में और खड़ा होने में भी दिक्कत होने लगती है. आखिर इसकी समय से पहले पहचान क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है. आइए इसके बारे में जानते हैं.

ऑस्टियोपोरोसिस है क्या

मायो क्लीनिक के मुताबिक हमारी हड्डियां लगातार टूट-फूट के दौर से गुजरती रहती है लेकिन हर बार अपने आप टूटी-फूटी कोशिकाओं की जगह नई बना लेती है. ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी तब होता है जब जिस रफ्तार से पुरानी हड्डियों में टूट-फूट होती है, उस रफ्तार उसकी जगह नई हड्डियों की कोशिकाएं नहीं बनती है. पुरुषों में 60 साल के बाद और महिलाओं में मेनोपॉज के बाद यह ज्यादा होती है. ऑस्टियोपोरोसिस के कारण हड्डियां इतनी कमजोर और क्षणभंगुर हो जाती हैं कि हल्का सा गिरना या झुकने और खांसने जैसे मामूली प्रेशर से भी फ्रैक्चर हो सकता है. ऑस्टियोपोरोसिस से जुड़े फ्रैक्चर सबसे आम तौर पर कूल्हे, कलाई या रीढ़ की हड्डी में होते हैं.

ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण

ऑस्टियोपोरोसिस के शुरुआती चरणों में हड्डियों के कमजोर होने के अक्सर कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं लेकिन जैसे-जैसे यह बीमारी बढ़ती है हड्डियां तेजी से कमजोर होने लगती है. इसमें अचानक रीढ़ की हड्डी टूटने या दबने के कारण पीठ में दर्द करता है, समय के साथ लंबाई में कमी आ जाती है, लोग झुककर चलने लगते हैं, मामूली झटके या गिरने पर हड्डियां बहुत आसानी से टूटने लगती है.

हमारे शरीर में हड्डियों की कोशिकाएं लगातार मरती है और लगातार बनती रहती है. जहां नई हड्डियां बनती हैं और पुरानी हड्डियां टूटती हैं. युवावस्था में नई हड्डियां तेजी से बनती हैं, लेकिन 30 वर्ष की उम्र में पीक बोन मास पर पहुंच जाती है. इसके बाद उम्र बढ़ने के साथ पुरानी हड्डियों के नष्ट होने की दर नई हड्डियों के बनने से तेज हो जाती है. इस स्थिति में ऑस्टियोपोरोसिस होने की आशंका काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने अपनी युवावस्था में कितना पीक बोन मास हासिल किया है. यह जितना अधिक होगा, उम्र बढ़ने पर ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा उतना ही कम होगा।

गोभी में छिपे कीड़े और गंदगी को हटाना है आसान, अपनाएं ये सफाई के 7 आसान तरीके



गोभी की परतों में मिट्टी और कीड़े छिपे हो सकते हैं. पकाने से पहले गोभी को छोटे टुकड़ों में काटकर नमक, हल्दी या सिरके वाले पानी में भिगोकर अच्छी तरह साफ करना सेहत के लिए जरूरी है. इसको साफ करना आसान होता है.

गोभी एक पौष्टिक और स्वादिष्ट सब्जी है, जिसका उपयोग पराठे, सब्जी, पकौड़े और कई अन्य व्यंजनों में किया जाता है. हालांकि गोभी की परतों के बीच अक्सर मिट्टी, छोटे कीड़े और उनके अंडे छिपे हो सकते हैं. यदि गोभी को सही तरीके से साफ न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है. इसलिए गोभी पकाने से पहले उसे अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है.

सबसे पहले बाहरी पत्तियां हटाएं

गोभी साफ करने की शुरुआत उसकी बाहरी पत्तियों को हटाने से करें. बाहरी पत्तियों पर सबसे ज्यादा धूल-मिट्टी और कीटनाशकों के अवशेष हो सकते हैं. खराब या पीली पत्तियों को भी निकाल दें.

छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें

पूरी गोभी को धोने की बजाय पहले उसे छोटे-छोटे फूलों में काट लें. इससे उसकी अंदरूनी परतों में छिपी गंदगी और कीड़े आसानी से दिखाई दे जाते हैं. बड़े टुकड़ों की तुलना में छोटे टुकड़े ज्यादा अच्छी तरह साफ हो पाते हैं.

नमक वाले पानी का इस्तेमाल करें

एक बड़े बर्तन में पानी भरें और उसमें 1 से 2 चम्मच नमक मिला दें. अब कटे हुए गोभी के टुकड़ों को इसमें 15 से 20 मिनट तक भिगोकर रखें. नमक का पानी छोटे कीड़ों और गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है.

गोभी को साफ करने के लिए हल्दी वाला पानी भी उपयोग किया जा सकता है. एक बर्तन में गुनगुना पानी लें और उसमें आधा चम्मच हल्दी मिला दें. गोभी को इस पानी में 10 से 15 मिनट तक रखें।

रील बनाने का कैसा भूत सवार? पानी की तेज लहरों में बच्चे को भूल गए मां-बाप



सोशल मीडिया पर रील बनाने की सनक किस हद तक भारी पड़ सकती है, इसका अंदाजा इस वायरल वीडियो से लगाया जा सकता है. समुद्र किनारे वीडियो बनाने में व्यस्त एक कपल के पास उनकी बच्ची लहरों के बीच पहुंच गई. वीडियो ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सोशल मीडिया पर आजकल रील बनाने का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. कहीं लोग खतरनाक जगहों पर वीडियो बनाते हैं, तो कहीं एक परफेक्ट शॉट के चक्कर में अपनी सुरक्षा तक भूल जाते हैं. लेकिन जब बात छोटे बच्चों की सुरक्षा की हो, तो जरा सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है. ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जिसमें एक कपल समुद्र किनारे रील बनाने में व्यस्त दिखाई देता है, जबकि उनकी छोटी बच्ची तेज लहरों में रह जाती है. वीडियो सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर माता-पिता की जिम्मेदारी और रील बनाने की बढ़ती सनक पर सवाल उठा रहे हैं.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक कपल समुद्र किनारे कैमरे के सामने पोज देता दिखाई देता है. महिला के साथ एक छोटी बच्ची भी मौजूद होती है. वीडियो में महिला कुछ देर बच्ची का हाथ पकड़े रहती है, लेकिन फिर कैमरे की तरफ ध्यान देने लगती है. इसी दौरान बच्ची गिर जाती है और समुद्र की आती हुई लहरों के बीच पहुंच जाती है और मां उसे छोड़ अपने पति के वीडियो के साथ चलने लगती है.

बच्ची पानी के बीच संघर्ष करती नजर आती है, लेकिन कपल का ध्यान तुरंत उसकी तरफ नहीं जाता. तभी वहां मौजूद एक बच्चा उस बच्ची को देख लेता है और उसकी मदद के लिए आगे बढ़ता है।

चावल बनाते समय ये सामग्री डालना न भूलें, खुशबू और स्वाद दोनों में ही होगा कमाल



साधारण चावल को स्वादिष्ट बनाने के लिए घी-जीरा, साबुत मसाले, हरी मटर, मूंगफली, नींबू का रस, काजू-किशमिश, हरा धनिया और करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं. इन आसान तरीकों से चावल का स्वाद बहुत बढ़ जाता है.

चावल एक ऐसी डिश है जो लगभग हर भारतीय घर में रोज ही बनती है. हालांकि कई बार रोज-रोज एक जैसे चावल खाने से स्वाद में नयापन नहीं लगता. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान सामग्री जोड़कर आप साधारण चावल को भी बेहद स्वादिष्ट और खास बना सकते हैं. इसके लिए आपको किसी विशेष रेसिपी की जरूरत नहीं, बल्कि रसोई में मौजूद कुछ चीजों का सही इस्तेमाल करना है.

जीरा और घी का तड़का

अगर आप चाहते हैं कि चावल की खुशबू और स्वाद दोनों बढ़ जाएं, तो उन्हें पकाते समय एक चम्मच घी और थोड़ा सा जीरा डालें. जीरे का हल्का स्वाद चावल को एक अलग ही पहचान देता है. यह तरीका खासकर दाल या कढ़ी के साथ परोसे जाने वाले चावलों के लिए बेहतरीन है.

साबुत मसाले डालें

तेजपत्ता, लौंग, हरी इलायची और दालचीनी जैसे साबुत मसाले चावल को रेस्टोरेंट जैसा स्वाद दे सकते हैं. चावल पकाने से पहले इन मसालों को हल्का सा भून लें और फिर पानी डालकर चावल पकाएं. इससे चावल में शानदार खुशबू आ जाएगी.

साधारण सफेद चावल में हरी मटर डालने से उनका स्वाद और पोषण दोनों बढ़ जाते हैं. मटर का हल्का मीठापन चावल को और स्वादिष्ट बनाता है. बच्चों को भी यह तरीका काफी पसंद आता है.

भुनी हुई मूंगफली

अगर आप चावल में हल्का क्रंच चाहते हैं, तो उसमें भुनी हुई मूंगफली मिला सकते हैं. यह तरीका खासकर नींबू राइस या साउथ इंडियन स्टाइल चावल में खूब पसंद किया जाता है.

नींबू का रस

चावल पकने के बाद उसमें कुछ बूंदें नींबू का रस डाल दें. इससे चावल खिले-खिले बनते हैं और उनका स्वाद भी ताजा लगता है. गर्मियों में यह तरीका विशेष रूप से पसंद किया जाता है.

काजू और किशमिश

कभी-कभी खास मौके पर चावल को थोड़ा रिच लुक और स्वाद देना हो तो काजू और किशमिश का इस्तेमाल करें. घी में हल्का भूनकर इन्हें चावल में मिलाने से साधारण चावल भी त्योहार वाली डिश बन जाते हैं.

हरा धनिया और पुदीना

चावल तैयार होने के बाद ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया या पुदीना डालें. इससे न केवल चावल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि उनमें ताजगी भरा स्वाद भी आता है.

लहसुन और करी पत्ता

यदि आप व्रत में नहीं हैं, तो लहसुन और करी पत्ते का तड़का लगाकर भी चावल का स्वाद कई गुना बढ़ा सकते हैं. यह दक्षिण भारतीय शैली का आसान और स्वादिष्ट तरीका है।

काशी के इस शक्तिपीठ में गिरा था मां सती का आभूषण! जानें विशालाक्षी मंदिर का अद्भुत इतिहास



वाराणसी की गलियों में स्थित मां विशालाक्षी मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि पौराणिक मान्यताओं और सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण स्थल है. मीर घाट के पास स्थित इस मंदिर को 51 शक्तिपीठों में गिना जाता है. यहां देवी विशालाक्षी की पूजा शक्ति स्वरूप में की जाती है. मंदिर की खासियत यह है कि इसकी धार्मिक पहचान काशी की परंपराओं के साथ-साथ दक्षिण भारतीय संस्कृति से भी जुड़ी हुई है.

मां विशालाक्षी मंदिर से जुड़ी सबसे प्रचलित मान्यता देवी सती की कथा से संबंधित है. हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा दक्ष के यज्ञ में सती ने अपने प्राण त्याग दिए थे. इसके बाद भगवान शिव उनके शरीर को लेकर विचरण करने लगे. मान्यता है कि भगवान विष्णु ने सृष्टि का संतुलन बनाए रखने के लिए सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को अलग-अलग भागों में विभाजित किया. जिन स्थानों पर उनके अंग या आभूषण गिरे, वे शक्तिपीठ कहलाए.

धार्मिक मान्यता के मुताबिक, मां सती के दाएं कान का मणि-जड़ित आभूषण इसी स्थान पर गिरा था. इसी वजह से मां विशालाक्षी को मणिकर्णी देवी के नाम से भी जोड़ा जाता है. यह कथा मंदिर की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है.

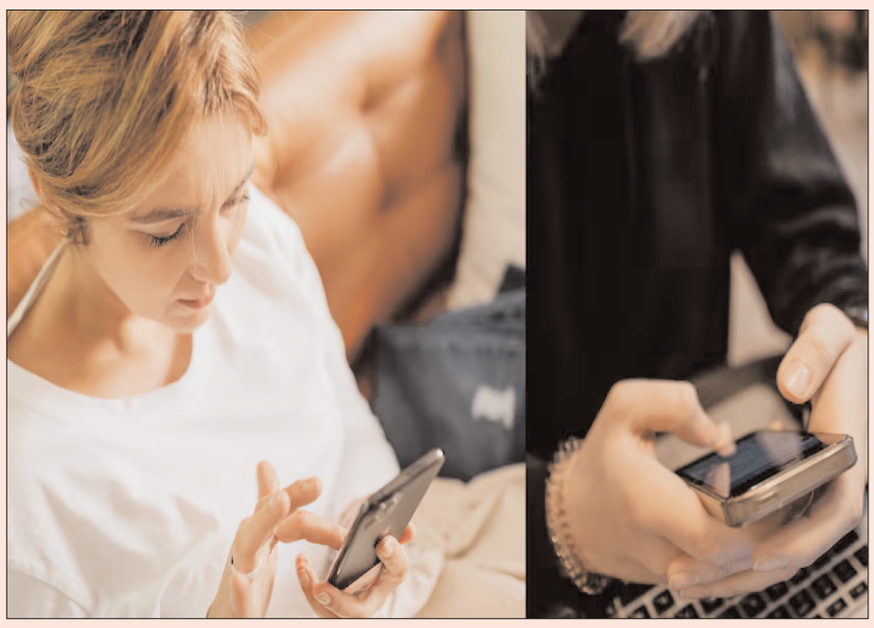
'विशालाक्षी' संस्कृत के दो शब्दों से बना है - विशाल और अक्षी. इसका अर्थ बड़ी या विशाल आंखों वाली देवी है. देवी को करुणा, ममता और भक्तों की रक्षा करने वाली शक्ति के रूप में पूजा जाता है. मंदिर के गर्भगृह में मां विशालाक्षी की प्रतिमा स्थापित है. यहां भैरव के रूप में काल भैरव की पूजा का भी उल्लेख मिलता है।

स्क्रॉलिंग से हो गए हैं बोर? तेजी से ट्रेंड कर रहा है 'हॉबी-मैक्सिंग', नई हॉबी के दीवाने हो रहे लोग

लगातार रील्स देखने और सोशल मीडिया स्क्रॉल करने से ऊब चुके लोग अब नई-नई हॉबी सीखने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं. जानें क्या है 'हॉबी-मैक्सिंग' का ट्रेंड और क्यों लोग अपने खाली समय में कुछ नया करना पसंद कर रहे हैं.

सुबह उठते ही फोन चेक करना, खाली समय में सोशल मीडिया स्क्रॉल करना और रात को सोने से पहले रील्स देखते रहना आज कई लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है. लेकिन अब कुछ लोग इस आदत से बाहर निकलने के लिए अपने खाली समय में नई हॉबी सीखने पर ध्यान दे रहे हैं.

कोई पेंटिंग कर रहा है, तो कोई बुनाई, कुकिंग, बागवानी या फोटोग्राफी सीख रहा है. इसी तरह अपनी पसंद के कामों को जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने की बढ़ती दिलचस्पी को 'हॉबी-मैक्सिंग' कहा जा रहा है. इसका मकसद सिर्फ समय बिताना नहीं, बल्कि स्क्रीन से दूर रहकर कुछ नया सीखना और खुद को बेहतर महसूस कराना भी है.



हॉबी-मैक्सिंग का मतलब है अपने खाली समय का इस्तेमाल किसी पसंदीदा गतिविधि को सीखने, उसमें सुधार करने और उसे नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने में करना. इसमें किसी एक शौक को गंभीरता से अपनाना या अलग-अलग हॉबी आजमाना शामिल हो सकता है. उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति हर दिन आधा घंटा किताब पढ़ने के लिए निकालता है, तो कोई वीकेंड पर मिट्टी के बर्तन बनाना, गिटार बजाना या नई रेसिपी तैयार करना सीखता है.

इस ट्रेंड में हॉबी को केवल मनोरंजन के तौर पर नहीं देखा जाता, बल्कि इसे खुद के साथ समय बिताने और रोजमर्रा की व्यस्तता से थोड़ा ब्रेक लेने का तरीका भी माना जाता है. खास बात यह है कि इसके लिए किसी महंगे कोर्स या बड़े सेटअप की जरूरत नहीं होती. अपनी पसंद और बजट के हिसाब से छोटी शुरुआत की जा सकती है.

लगातार स्क्रॉलिंग से ब्रेक: सोशल मीडिया पर लगातार नई तस्वीरें, वीडियो और जानकारियां देखने से कई लोगों को थकान या ऊब महसूस हो सकती है. ऐसे में कोई रचनात्मक काम करना उन्हें स्क्रीन से दूरी बनाने का मौका देता है. हालांकि, हर व्यक्ति पर इसका असर अलग हो सकता है.

खुद के लिए समय निकालना: काम, पढ़ाई और दूसरी जिम्मेदारियों के बीच लोग अक्सर अपनी पसंद के कामों को नजरअंदाज कर देते हैं. हॉबी-मैक्सिंग उन्हें दिन में कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालने की प्रेरणा देता है.

कुछ नया सीखने की इच्छा: कोई नई भाषा सीखना, खाना बनाना या स्केचिंग करना व्यक्ति को नई स्किल विकसित करने का मौका देता है. धीरे-धीरे होने वाला सुधार आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद कर सकता है.

मानसिक सुकून की तलाश: बागवानी, पेंटिंग, बुनाई और संगीत जैसी गतिविधियां कुछ लोगों को तनाव से राहत महसूस कराने में मदद कर सकती हैं. किसी काम पर ध्यान केंद्रित करने से रोजमर्रा की चिंताओं से कुछ समय का विराम भी मिल सकता है.

इसकी शुरुआत के लिए दिनभर में घंटों निकालने की जरूरत नहीं है. सबसे पहले ऐसी गतिविधि चुनें जिसमें आपकी वास्तविक दिलचस्पी हो. शुरुआत रोजाना 15 से 20 मिनट से कर सकते हैं. अपनी तुलना दूसरों से करने के बजाय इस बात पर ध्यान दें कि आप क्या सीख रहे हैं और उसमें कितना आनंद आ रहा है।



अनुष्का शर्मा के इंटरव्यू संभालने वाली परिणीति चोपड़ा तीन महीने में बनीं उनकी को-स्टार



"मैं बैंड बाजा बारात के लिए अनुष्का के इंटरव्यू हैंडल करती थी... फिर 3 महीने के अंदर हम को-स्टार बन गए। कूल है ना?"
- परिणीति चोपड़ा

पीआर से एक्टिंग तक का सफ़र, किस्मत ने ऐसे बदली जिंदगी

मुंबई। मनोरंजन जगत के ग्लैमर और चमक-धमक में आमतौर पर स्टार्स और उनकी मैनेजर्स का रिश्ता सिर्फ काम और शेड्यूलिंग तक सीमित रहता है, लेकिन जब वही मैनेजर किसी फिल्म का हिस्सा बनकर पर्दे पर साथ खड़ी दिखे, तो यह किसी कुदरत के करिश्मे से कम नहीं है और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इस बात का बड़ा उदाहरण हैं।

ऐसे शुरू हुआ फिल्मी सफर

भारत लौटने के बाद परिणीति अपनी बहन प्रियंका चोपड़ा के जरिए यशराज फिल्म्स के पब्लिक रिलेशंस और मार्केटिंग विभाम से जुड़ीं। 'बैंड बाजा बारात' के प्रमोशन के दौरान वह अनुष्का शर्मा और रणवीर सिंह जैसे कलाकारों के इंटरव्यू और प्रमोशन का काम संभालती थीं। इस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि एक्टिंग का काम कितना क्रिएटिव है।



अनुष्का शर्मा



परिणीति चोपड़ा और रणवीर सिंह

इन दिनों में बनीं अभिनेत्री

कहा जाता है कि परिणीति कभी अभिनेत्री बनना ही नहीं चाहती थीं। उन्होंने मैन्चेस्टर बिजनेस स्कूल से बिजनेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में ट्रिपल ऑनर्स की डिग्री ली थी। उनका सपना बिटेन में एक सफल इन्वेस्टमेंट बैंकर बनने का था, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया और उन्हें भारत लौटना पड़ा।

तीन महीने में मिला बड़ा मौका

कंपनी के कहने पर उन्होंने सिर्फ मजाक में एक डमी ऑडिशन दिया था, जिसमें उन्होंने फिल्म 'जब वी मेट' के 'गीत' के डायलॉग बोले थे। यह ऑडिशन टेप निर्माता आदित्य चोपड़ा ने देखा, तो वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तुरंत परिणीति को 'लेडीज वर्सैस रिकी बहल', 'इश्कजादे' और 'शुद्ध देसी रोमांस' जैसी फिल्मों का ऑफर दे दिया था।

करीब 2 साल बाद बैंड के साथ स्टेज पर लौटीं टेलर स्विफ्ट, 'टॉय स्टोरी 5' की टीम संग भी बिताया वक्त



विश्व केसरी

मुंबई। ग्रैमी अवॉर्ड विनर सिंगर टेलर स्विफ्ट ने अपनी एक यादगार शाम की झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। लॉस एंजिल्स के एकेडमी म्यूजियम में आयोजित इस खास मौके पर टेलर ने करीब दो साल बाद पहली बार अपने बैंड के साथ परफॉर्म किया।

सिंगर ने इस शाम की तस्वीरें और अपना अनुभव इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए म्यूजियम का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान उन्हें अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉय स्टोरी 5' की टीम के साथ भी वक्त बिताने का मौका मिला।

टेलर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ''म्यूजियम में बिताई ऐसी शाम, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। हमें आमंत्रित करने के लिए एकेडमी म्यूजियम का शुक्रिया। करीब दो साल बाद दोबारा अपने बैंड के साथ परफॉर्म करना एक अलग ही एहसास था। साथ ही मुझे अपनी 'टॉय स्टोरी 5' की फैमिली के साथ बैठने और वक्त बिताने का मौका भी मिला।''

एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित लॉस एंजिल्स में है। यह म्यूजियम साल 2021 में खुला था और फिल्मों की दुनिया को समर्पित है। यहां सिनेमा के इतिहास, फिल्ममेकिंग, तकनीक और इससे जुड़े कलाकारों के योगदान को दिखाया गया है। म्यूजियम में एकेडमी कलेक्शन का हिस्सा भी मौजूद है, जिसमें फिल्मों से जुड़ी बड़ी संख्या में ऐतिहासिक चीजें और रिकॉर्ड शामिल हैं।

टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे पॉपुलर सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कंट्री म्यूजिक से की थी, लेकिन बाद में पॉप म्यूजिक में भी अपनी अलग पहचान बनाई। 'टियरड्रॉप्स ऑन माई गिटार', 'लव स्टोरी' और 'यू बिलॉन्ग विद मी' जैसे गानों ने उन्हें बड़ी पहचान दिलाई।

इसके बाद 'वी आर नेवर एवर गेटिंग बैक टुगेदर', 'शेक इट ऑफ', 'ब्लैंक स्पेस', 'बैड ब्लड' और 'लुक व्हाट यू मेड मी डू' जैसे गानों ने भी चार्ट्स पर शानदार प्रदर्शन किया।

टेलर स्विफ्ट के नाम कई बड़े अवॉर्ड भी हैं। वह 14 ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुकी हैं और ग्रैमी के 'एल्बम ऑफ द ईयर' कैटेगरी में चार बार जीत दर्ज करने वाली पहली कलाकार हैं।

सिंटा कार्यकारी समिति चुनाव: सबसे ज्यादा वोट पाकर जीते पद्मिनी, पूनम और राकेश बेदी

विश्व केसरी

मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी और पूनम ढिल्लों ने मंगलवार को सिंटा कार्यकारी समिति के चुनाव में सबसे अधिक वोट प्राप्त करके जीत हासिल की।

पद्मिनी कोल्हापुरी को 604 वोट, पूनम ढिल्लों को 601 वोट, राकेश बेदी को 575 वोट, कंवरजीत पेंटल को 548 वोट, चंद्रप्रकाश ठाकुर को 514 वोट, अभय भार्गव को 439 वोट, घनश्याम श्रीवास्तव को 395 वोट, जया भट्टाचार्य को 392 वोट, टीना घई को 374 वोट, राजित कपूर को 340 वोट, शीबा आकाशदीप को 322 वोट, रमेश गोयल को 296 वोट, जितेंद्र सिंह को 284 वोट, मोहम्मद फारूक बंधुकिया को 272 वोट और रोहित रॉय को 268 वोट मिले।

चुनाव के बाद पूनम ढिल्लों ने आईएएनएस को बताया, 'चुने गए हर व्यक्ति के पास संविधान की प्रति होनी चाहिए और उन्हें सिंटा के संविधान की जानकारी भी होनी चाहिए। यह सबसे महत्वपूर्ण है; उन्हें सिंटा के नियमों और विनियमों की जानकारी होनी चाहिए। इसलिए मैंने इस बार यही एक नई पहल की है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी यह सिलसिला जारी रहेगा कि हर सदस्य को संविधान की प्रति मिले और वह उसका पालन करे। उन्होंने आगे कहा कि इस बार मैंने शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जिसमें यह शपथ ली गई कि आप संविधान का पालन करेंगे, निष्पक्ष रहेंगे और कल्याणकारी कार्य करेंगे। इसलिए, मैंने अध्यक्ष के रूप में इन दो बातों को लागू किया है। पूनम ढिल्लों ने आगे बताया कि चुनाव में लगभग 670 सदस्यों ने भाग लिया, और कहा कि त्योहार की छुट्टी के दौरान मतदान होने के बावजूद मतदान प्रतिशत विशेष रूप से उत्साहजनक था।

अनुष्का सेन बनीं भारत की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर, कहा-'दुनियाभर में सुनी जानी चाहिए हमारी कहानियां'

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन को 2026 न्यूपोर्ट बीच फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। इस खास सम्मान को लेकर अनुष्का ने खुशी जाहिर की है।

उन्होंने कहा कि भारत की कहानियों में इतनी ताकत है कि उन्हें दुनिया भर में सुना जाना चाहिए। यह सम्मान सिर्फ एक टाइटल नहीं बल्कि भारतीय टैलेंट और कहानियों को इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचाने का मौका है।

इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा, ''न्यूपोर्ट बीच फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्लोबल एंबेसडर बनना मेरे लिए ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मेरे लिए यह सिर्फ एक टाइटल से कहीं ज्यादा है। यह उन कहानियों के बारे में



है, जिन्हें हम अपने साथ लेकर चलते हैं, उन सीमाओं के बारे में है जिन्हें हम पार करते हैं और उन रास्तों के बारे में है जिन्हें हम अपने बाद आने वालों के लिए खोलते हैं।''

अनुष्का ने कहा, 'भारत में जबरदस्त टैलेंट है और यहां की कहानियां दुनियाभर में सुने जाने के लायक हैं। मैं चाहती हूं कि हर युवा भारतीय यह समझे कि अपने देश को गर्व महसूस कराने के लिए उसे किसी खास ढांचे में फिट होने की जरूरत नहीं है। आप कहां से आते हैं, यही आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। आपके सपने कभी भी आपके हालात की वजह से सीमित नहीं होने चाहिए।'

अनुष्का लगातार इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए मौके तलाश रही हैं। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि उनका सफर दूसरे युवाओं को भी अपने सपनों पर भरोसा करने और ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह अनुभव मिल रहा है। मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा युवा भारतीयों को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले। अगर मेरे सफर से किसी एक इंसान को भी खुद पर भरोसा करने और अपने सपनों की तरफ पहला कदम बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है, तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखेगा।''

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के वॉयस सैंपल से मिलाई जाएगी धमकी भरे ऑडियो की आवाज



विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले की जांच में अब धमकी भरे ऑडियो क्लिप की आवाज की पहचान करने पर फोकस किया जा रहा है। मुंबई पुलिस इस ऑडियो की आवाज का मिलान पंजाब, दिल्ली और राजस्थान पुलिस के पास मौजूद 'वॉयस बैंक' से करने की तैयारी कर रही है।

इन वॉयस बैंक में कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों की आवाज के सैंपल मौजूद हैं। जांच एजेंसियां इन रिकॉर्डिंग की मदद से पता लगाने की कोशिश करेंगी कि वायरल ऑडियो में सुनाई देने वाली आवाज किसकी है और क्या उसका संबंध गैंग से जुड़े किसी व्यक्ति से है।

मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के मुताबिक, इस बार जांच के दायरे में अनिल पंडित की आवाज से जुड़ी कथित ऑडियो क्लिप भी है, जो टाइगर श्रॉफ को धमकी दिए जाने के बाद सामने आई थी। हालांकि, इस ऑडियो की प्रामाणिकता की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पुलिस आवाज का मिलान करने के साथ यह भी जांच करेगी कि ऑडियो में सुनाई देने वाला व्यक्ति वास्तव में कौन है।

सूत्रों का कहना है कि धमकी भरे ऑडियो की जांच में सबसे बड़ी चुनौती आवाज की पहचान करना है क्योंकि अलग-अलग मामलों में अलग नाम और अलग आवाजों के जरिए धमकियां दिए जाने की बात सामने आती रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के पास बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के 200 से ज्यादा ऑडियो सैंपल का डेटाबेस है। वहीं, पंजाब और राजस्थान पुलिस के पास भी ऐसे वॉयस बैंक मौजूद हैं। इन रिकॉर्डिंग की मदद से संदिग्ध आवाज का मिलान किया जा सकता है। इससे जांच एजेंसियों को यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि धमकी भरे ऑडियो का संबंध किसी पुराने मामले या पहले से जांच के दायरे में रहे व्यक्ति से है या नहीं।

इससे पहले सलमान खान, आमिर खान, रोहित शेट्टी और बाबा सिद्दीकी समेत अन्य लोगों को मिली कथित धमकियों से जुड़े ऑडियो क्लिप की जांच में भी इसी तरह वेरिफिकेशन किया गया था।

यामी गौतम के बड़े फैन निकले आदिनाथ कोठारे, बोले-'वो बेहद सरल स्वभाव की हैं'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता आदिनाथ कोठारे फिल्म 'नई नवेली' में अभिनेत्री यामी गौतम के पति के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह यामी गौतम के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभिनेत्री का स्वभाव बहुत ही सादा, मददगार और बात करने में आसान है।

अभिनेता ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'मैं यामी का बहुत बड़ा फैन हूं और फिल्म में उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वह बहुत ही सरल स्वभाव की हैं और उनसे बात करना बेहद आसान है। वह अपने आसपास के सभी लोगों को बहुत कम्फर्टेबल महसूस कराती हैं।

उन्होंने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि सभी लोग कोशिश कर रहे थे कि पूरी टीम एक परिवार की तरह सहज महसूस करे। उन्होंने कहा, 'सभी लोग ईमानदारी और सकारात्मकता के साथ काम कर रहे थे और कोशिश कर रहे थे कि



पूरी टीम तनावमुक्त होकर काम करे। यह बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि इसका श्रेय निर्देशक बालाजी मोहन और निर्माता आनंद सर को जाता है, जिन्होंने कलाकारों की इतनी शानदार टीम को एक साथ लाया और फिर उन्हें खुलकर काम करने दिया।'

अभिनेता ने कहानी की सराहना करते हुए कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है, जिससे बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी ने जुड़ाव महसूस किया है और यही कारण है कि इसे पसंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि फिल्म की कहानी बहुत खूबसूरत है और बच्चों से लेकर बड़ों तक ने फिल्म को पसंद किया है।कहानी पौराणिक कथाओं की दुनिया से जुड़ी हुई है और इसी वजह से इसमें एक अलग रोमांच और उत्साह है। सभी कलाकारों ने भी इसमें बहुत बड़ा योगदान दिया है। मुकेश सर, आनंद सर और बाकी सभी ने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। उन्होंने कहा, 'हमारे निर्देशक बालाजी मोहन के लिए यह फिल्म बनाना बहुत मुश्किल था क्योंकि इसमें कई कलाकार, फैंटेसी, वीएफएक्स और एक्शन था। लगभग हर सीन में कम से कम छह-सात कलाकार होते थे।

भारतीय दूत ने गुयाना के राष्ट्रपति को अपना परिचय पत्र सौंपा, संबंध मजबूत करने पर दिया जोर

विश्व केसरी■



जॉर्जटाउन। भारत के उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने एक आधिकारिक समारोह में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली को अपना परिचय पत्र सौंपा।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।

गुयाना में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने आज राजधानी जॉर्जटाउन में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली को अपना परिचय पत्र सौंपा। दोनों के बीच बातचीत हुई जिसमें भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया, साथ ही कई क्षेत्रों में मौजूद अपार संभावनाओं का लाभ उठाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा अगस्त में गुयाना दौरे पर गए थे। उन्होंने वहां देश की आजादी की 60वीं वर्षगांठ और भारत-गुयाना राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के जश्न में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया था।विदेश राज्य मंत्री मार्गेरिटा ने 'एक्स' पर लिखा, 'गुयाना की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ और भारत-गुयाना राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के जश्न में शामिल होना सम्मान की बात है। चूंकि गुयाना स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय जैसे स्थायी मूल्यों का जश्न मना रहा है, ऐसे में भारत एक भरोसेमंद और भविष्योन्मुखी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।'

उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग, जो साझा इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल नवाचार, क्षमता निर्माण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, 'हम अपने लोगों के लाभ के लिए भारत-गुयाना संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद करते हैं। जून में, गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख के रूप में रहने पर बधाई दी थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी आवाज मजबूत की है और देश के भीतर विकास की दिशा में साहसिक कदम उठाए हैं।

दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन सैन्य कमान सौंपने पर अमेरिका सतर्क

विश्व केसरी■



सोल। दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन सैन्य अभियान नियंत्रण (ओपकॉन) सौंपने की प्रक्रिया को लेकर अमेरिका सतर्कता बरत रहा है। उसके मुताबिक दोनों देशों के बीच तय शर्तों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन कोरियाई प्रायद्वीप में सुरक्षा खतरों का स्वरूप पहले की तुलना में तेजी से बदल रहा है। हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने युद्धकालीन सैन्य कमान जल्द अपने देश को सौंपने की मांग दोहराई थी।

समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा, 'युद्धकालीन सैन्य अभियान नियंत्रण के हस्तांतरण की बुनियादी शर्तें पहले जैसी ही हैं, लेकिन क्षेत्र में खतरे का माहौल तेजी से बदल रहा है।' अधिकारी ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया को गठबंधन के सामने मौजूद सभी क्षेत्रीय खतरों को रोकने और उनका मुकाबला करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अधिकारी की यह टिप्पणी उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों में तेजी से हो रही प्रगति को लेकर अमेरिकी चिंताओं के बीच आई है।

अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने भी स्पष्ट किया कि युद्धकालीन सैन्य कमान का हस्तांतरण दोनों देशों के बीच सहमति से तय शर्तों पर आधारित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का हस्तांतरण तभी होगा, जब जरूरी शर्तें पूरी हो जाएंगी। अमेरिका इस प्रक्रिया के अंतिम फैसले या परिणाम को लेकर पहले से कोई निष्कर्ष नहीं निकालना चाहता।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सोमवार को कहा, 'युद्धकालीन सैन्य अभियान नियंत्रण जल्द दक्षिण कोरिया को वापस मिलना चाहिए। सोल क्षमतावान है और इस दिशा में अमेरिका के साथ बातचीत भी आगे बढ़ रही है।'

ली प्रशासन की कोशिश है कि 2030 में राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पहले यह प्रक्रिया पूरी हो जाए।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान की बड़ी आबादी भुखमरी की कगार पर : संयुक्त राष्ट्र

विश्व केसरी■



काबुल। अफगानिस्तान में करीब 1.6 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, जिनमें से 34 लाख लोग भुखमरी के आपातकालीन (आईपीसी 4) स्तर पर हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने यह जानकारी दी है। स्थानीय मीडिया की बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार, सर्दियों में हालात और बिगड़ने की आशंका है। यूएन ओसीएचए की प्रवक्ता ओल्गा चेरेव्को ने दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान दौरे के बाद यह बयान दिया। अफगानिस्तान की समाचार एजेंसी 'खामा प्रेस' के अनुसार, उन्होंने बताया कि बेरोजगारी, कम आय और जरूरी सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण लाखों परिवार अभी भी पर्याप्त भोजन नहीं खरीद पा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की यह चेतावनी अगले कुछ महीनों की विषम स्थिति को देखते हुए सामने आई है। सर्दियों के मौसम में लोगों को अक्सर रोजगार की तलाश और भोजन खरीदने में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ओल्गा चेरेव्को ने कहा कि वर्षों के संघर्ष, आर्थिक समस्याओं, सूखे और बार-बार आए संकटों ने अफगानिस्तान के लोगों की किसी भी नए झटके या संकट का सामना करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है।

कोटा नाव हादसा: 18 घंटे की तलाश के बाद लापता चार युवकों के शव बरामद

विश्व केसरी■



जयपुर। राजस्थान के कोटा जिले में एक नहर में नाव पलटने के बाद लापता हुए चार युवकों के शव बुधवार सुबह दुर्घटना के लगभग 18 घंटे बाद बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि ये शव दुर्घटना वाली जगह से लगभग 100 मीटर आगे (पानी के बहाव की दिशा में) मिले। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने बुधवार सुबह 5.30 बजे तलाशी अभियान फिर से शुरू किया। विकास वर्मा उर्फ सुमन (22) और सूरज सिंह (22) के शव सबसे पहले बरामद किए गए। कुछ घंटों बाद आशु जोशी (19) और राहुल जोशी (18) के शव भी बरामद किए गए। आशु और राहुल चचेरे भाई थे। यह हादसा मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुआ। नाव पलटने से सात लोग पानी में बह गए थे, लेकिन एक महिला और नाव चलाने वाले (नाविक) सहित सिर्फ तीन लोग सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। बताया गया कि यह हादसा उसी दिन हुआ, जब नहर में पानी छोड़ा गया था। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान अचानक हुए इस हादसे के बाद प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। अतिरिक्त एसपी सुभाष चंद्र मिश्रा के अनुसार, अंधेरा होने के कारण बचाव अभियान मंगलवार रात 10.30 बजे तक रोक दिया गया। बुधवार सुबह टीमों ने फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ की प्रभारी एकता हाडा ने बताया कि बचाव कार्य के लिए छह नावें लगाई गई थीं, जिनमें से तीन एनडीआरएफ से और तीन एसडीआरएफ से हैं।

इलिनोइस हिंदू मंदिर पर हमले की कोशिश, 105 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने एफबीआई जांच की मांग की

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। अमेरिका के इलिनोइस में एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की कोशिश के मामले में 105 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) से जांच की मांग की है।

लॉ मेकर्स ने इसे संभावित संघीय हेट क्राइम के तौर पर जांच करने को कहा है और भारतीय-अमेरिकी तथा अन्य दक्षिण एशियाई समुदायों के खिलाफ बढ़ते खतरों को लेकर चेतावनी दी है।

इस द्विदलीय अपील की अगुवाई भारतीय-अमेरिकी लॉ मेकर्स राजा कृष्णमूर्ति ने की, जो 11 अक्टूबर को जब हमले की कोशिश हुई तब अपने परिवार के साथ ऑरोरा के श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर में पूजा कर रहे थे।

मंगलवार को एफबीआई निदेशक काश पटेल को लिखे पत्र में लॉ मेकर्स ने इस घटना की व्यापक जांच की मांग की, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या आरोपी ने नस्लीय और धार्मिक नफरत के कारण यह कदम उठाया और क्या दूसरों ने कथित हमले की योजना बनाने या उसे बढ़ावा देने में मदद की।

हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस के सभी भारतीय-अमेरिकी सदस्य, इलिनोइस हाउस का पूरा डेमोक्रेटिक प्रतिनिधिमंडल और सीनेटर डिक डरबिन, टैमी डकवर्थ, एंडी किम और क्रिस वैन हॉलेन शामिल हैं। अभियोजकों के अनुसार, 19 साल के एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस, जो इलिनोइस के पैलेटाइन का रहने वाला है, गोलीबारी करने के इरादे से मंदिर गया था, लेकिन राइफल में खराबी के बाद भाग गया। अधिकारियों ने बताया कि उसी दिन एक सहकर्मी ने पुलिस को उसकी वापस लौटने की कथित योजना के बारे में बताया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अभियोजकों का आरोप है कि खुद को नव-नाजी बताने वाले पापोराकिस ने हिंदू पूजा स्थल पर भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ हिंसा का वर्णन करते हुए आठ पन्नों का श्वेत वर्चस्ववादी घोषणापत्र तैयार किया था।

कांग्रेसी पत्र के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एक राइफल, सैकड़ों गोलियां, बॉडी आर्मर और श्वेत वर्चस्ववादी तस्वीरें बरामद की हैं।

सूडान में ड्रोन अटैक से भारी तबाही, संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

विश्व केसरी■



जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में रिहायशी इलाकों और अहम बुनियादी ढांचों पर लगातार हो रहे ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा की है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा, 'हमें रविवार को वेस्ट कोर्डोफान राज्य के अल दिबाब इलाके में एक बाजार पर हुए ड्रोन हमले में कई लोगों के मारे जाने की खबर मिली है। हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। प्रवक्ता ने कहा, 'यह हमला एक बेहद चिंताजनक चलन का हिस्सा है। हम पूरे देश में लगातार हो रहे ड्रोन हमलों और उनसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को हो रहे नुकसान को लेकर चिंतित हैं।

ये हमले उन समुदायों के लिए विनाशकारी साबित हो रहे हैं, जो पिछले तीन साल से भी अधिक समय से जारी संघर्ष के परिणाम भुगत रहे हैं। सिंहुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को खार्तूम में एक ड्रोन के रिहायशी इलाके में गिरने से दो से छह साल की उम्र के तीन बच्चों और उनके पिता की मौत हो गई। दक्षिण दारफुर राज्य की राजधानी न्याला में भी सोमवार को एक रिहायशी घर पर ड्रोन हमला हुआ, जिसमें कई नागरिक हताहत हुए और आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा।

दुजारिक ने बताया कि मंगलवार को व्हाइट नाइल राज्य के टेंडल्टी शहर में ड्रोन हमलों से मुख्य बिजली स्टेशन को नुकसान पहुंचा। प्रवक्ता ने कहा, 'हम फिर दोहराते हैं कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा की जानी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के एक युवा किसान ने विकसित किया खीरे का हाइब्रिड पौधा, एक पौधे से 100 किलो तक उत्पादन का दावा

विश्व केसरी■



डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्र गुंडोह से कृषि नवाचार की एक अनोखी कहानी सामने आई है। यहां के 19 वर्षीय युवा किसान यावर सलीम ने खीरे का एक ऐसा हाइब्रिड पौधा विकसित करने का दावा किया है, जिससे प्रति पौधा लगभग 100 किलोग्राम तक खीरे की पैदावार हो सकती है।

यावर सलीम ने आईएएनएस से बातचीत में अपने इस प्रयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्हें बचपन से ही खेतीबाड़ी का शौक है और उनका परिवार पीढ़ियों से जमींदारी से जुड़ा रहा है। इसी रुचि के चलते उन्होंने खीरे की नई किस्म विकसित करने पर काम किया।

यावर के मुताबिक, उन्होंने दो अलग-अलग किस्म के हाइब्रिड पौधों को मिलाकर एक नया पौधा तैयार किया है। उनका दावा है कि इस नए पौधे से कम से कम 100 किलोग्राम के आसपास खीरे की पैदावार होती है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य इस तकनीक को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाना है ताकि यह पूरे देश और दुनिया में फैल सके।

यावर सलीम ने कहा कि उनके परिवार का गुजर-बसर इसी खेती पर निर्भर है और वे खीरे बेचकर लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं। उनका मानना है कि अन्य किसान भी इस तरह के प्रयोग कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं।

उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे खेती के नए और आधुनिक तरीकों को अपनाएं और खीरे को एक मामूली सब्जी न समझें। यावर ने कहा कि बाजार में खीरे की कीमत 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ऐसे में अगर एक पेड़ से 100 किलोग्राम खीरा निकलता है, तो एक पेड़ से ही लगभग चार हजार रुपये की आय हो सकती है। यदि कोई किसान 10 ऐसे पौधे लगाता है, तो उसकी कमाई 40 हजार रुपये तक पहुंच सकती है, जो उनके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के पूर्व सीएम विजयन के खिलाफ जांच पर एक सप्ताह के लिए लगाई रोक

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीणा और दामाद मोहम्मद रियास को बड़ी राहत दी। अदालत ने तीनों के खिलाफ कोचीन मिनरल्स एंड रुलाइट लिमिटेड (सीएमआरएल)-एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस के मामले में चल रही जांच पर अंतरिम रोक लगाई है।

यह रोक एक हफ्ते तक लागू रहेगी, ताकि पिनाराई विजयन इस मामले में अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के सिंगल-जज के आदेश के खिलाफ केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में अपील कर सकें। हाईकोर्ट की सिंगल जज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सिफारिश के आधार पर विजयन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। कथित सीएमआरएल-एक्सलॉजिक रिश्वत मामले में केरल हाईकोर्ट के एफआईआर दर्ज करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

बुधवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने केरल हाईकोर्ट की डबल बेंच से इस मामले में सुनवाई करने को कहा। साथ ही, हाईकोर्ट की जल्दबाजी पर सवाल उठाए। बेंच ने कहा कि दूसरे पक्ष को सुनना चाहिए था।

कोर्ट ने कहा, 'राज्य सरकार ने पहले ही शुरुआती जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। इसलिए, हाईकोर्ट को इतनी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी और विजयन का पक्ष सुने बिना एफआईआर दर्ज करने का आदेश नहीं देना चाहिए था। यह मामला कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीना की कंपनी 'एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' के बीच हुए वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी 'इंडिया केम 2026' में ओडिशा के निवेश प्रयासों का नेतृत्व करेंगे

विश्व केसरी■



भुवनेश्वर। ओडिशा 22 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित होने वाले 'इंडिया केम 2026' में रासायनिक और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में अपनी निवेश क्षमता का प्रदर्शन करेगा। राज्य का उद्देश्य नए निवेश आकर्षित करना और एक उभरते औद्योगिक गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी अपने दो दिवसीय मुंबई दौरे के दौरान उद्घाटन सत्र और सीईओ गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय रसायन, उर्वरक और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य नए निवेश आकर्षित करना और रासायनिक और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में एक उभरते औद्योगिक गंतव्य के रूप में ओडिशा की स्थिति को मजबूत करना है।

राज्य की भागीदारी से उसकी औद्योगिक ताकत, निवेश के लिए तैयार बुनियादी ढांचा, प्रगतिशील नीतियां और रासायनिक एवं पेट्रोकेमिकल विनिर्माण के बढ़ते पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर किया जा सकेगा। यह कार्यक्रम ओडिशा को उद्योग जगत के नेताओं से सीधे जुड़ने, नए निवेश के अवसर प्रस्तुत करने और औद्योगिक विकास के अगले चरण के लिए साझेदारी तलाशने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

इस दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री का रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योगों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत बैठकें करने का कार्यक्रम है, जिसमें 20 से अधिक प्रमुख कंपनियों के साथ चर्चा की योजना है। इन वार्ताओं का मुख्य केंद्र संभावित निवेश, औद्योगिक विस्तार, डाउनस्ट्रीम विनिर्माण और ओडिशा में नए औद्योगिक उद्यम स्थापित करने के अवसर होंगे।

राज्य की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण कोयला गैसीकरण परियोजना पर प्रस्तुति होगी।

देश के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतों को काबू में किया जा रहा है: हिमंता बिस्वा सरमा

विश्व केसरी■



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को लोगों को विजयादशमी की बधाई दी। उन्होंने इस त्योहार को अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक बताया और दावा किया कि देश के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतों को अब काबू में किया जा रहा है।

एक्स पर एक पोस्ट में सरमा ने सनातन संस्कृति का जिक्र किया और विजयादशमी के महत्व को बुराई पर अच्छाई की जीत से जोड़ा। उन्होंने कहा कि देश के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतें इस त्योहार के आते ही शांत हो गई हैं।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि आप सभी देख रहे हैं कि विजयादशमी के आते ही देश के खिलाफ साजिशें रचने वाली आसुरी शक्तियां शांत हो गई हैं। यही हमारी शाश्वत सनातन संस्कृति है, यह अधर्म पर धर्म की जीत है। विजयादशमी समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए सरमा ने दोहराया कि यह त्योहार 'शक्ति' की बुरी ताकतों पर जीत का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत की परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप, बुराई पर अच्छाई की जीत का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

सरमा ने कहा कि आज का दिन बुरी ताकतों पर 'शक्ति' की जीत का दिन है। जैसा कि आपने देखा है, विजयादशमी के करीब आते ही, जो बुरी ताकतें सक्रिय थी, वे अब दब गई हैं। हम हमेशा बुराई पर अच्छाई की जीत देखेंगे। यह हमारी परंपरा के अनुसार आगे भी जारी रहेगा।

विजयादशमी, जिसे दशहरा के नाम से भी जाना जाता है, पूरे भारत में बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाई जाती है। हिंदू परंपरा में, यह त्योहार भगवान राम की रावण पर जीत और देवी दुर्गा की राक्षस महिषासुर पर विजय से जुड़ा है।

असम में इस त्योहार का विशेष महत्व है, जहां दुर्गा पूजा का समापन मूर्तियों के विसर्जन और धार्मिक जुलूसों के साथ होता है।

एशियन पैरा गेम्स 2026

विश्व केसरी

प्रीति पाल का कमाल, 200 के बाद 100 मीटर दौड़ में भी जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की प्रीति पाल ने बुधवार को एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिलाओं की 100 मीटर टी35 दौड़ स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

प्रीति पाल ने 29.53 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए सिल्वर मेडल जीता। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में यह उनका दूसरा मेडल है। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने 200 मीटर टी35 स्पर्धा में भी सिल्वर मेडल जीता था। प्रीति एक जानी-मानी भारतीय पैरा एथलीट हैं। उन्होंने पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल, तथा इंडियन ओपन टूर्नामेंट्स में चार गोल्ड मेडल जीते हैं। उन्होंने नई दिल्ली ग्रां प्री में भी एक गोल्ड मेडल हासिल किया है।

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाके में एक किसान परिवार में जन्मीं प्रीति को जन्म के समय से ही शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जन्म के बाद उनके शरीर के निचले हिस्से पर छह दिनों तक प्लास्टर लगाना पड़ा था। पैरों की कमजोरी और उनके असामान्य आकार के कारण उन्हें कई तरह की



बीमारियों का खतरा रहता था।

प्रीति ने अपने पैरों को मजबूत करने के लिए कई पारंपरिक इलाज कराए, लेकिन पांच साल की उम्र में उन्हें कैलिपर्स (सहारा देने वाले उपकरण) पहनने पड़े, जिन्हें उन्होंने आठ साल तक पहना। कई लोगों को उनके जीवित रहने पर भी संदेह था लेकिन उन्होंने एक योद्धा की तरह जीवन के लिए खतरनाक स्थितियों को पार किया और अद्भुत ताकत व सहनशक्ति का परिचय दिया। 17 साल की उम्र में सोशल मीडिया पर पैरालंपिक गेम्स के क्लिप्स देखकर उनकी रुचि पैरा-स्पोर्ट्स में जगी। एथलेटिक्स की प्रैक्टिस शुरू करने के कुछ वर्षों बाद उनकी मुलाकात अपनी मेंटर और पैरालंपियन फातिमा खातून से हुई, जिससे उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव आया। फातिमा से प्रेरित होकर प्रीति ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और 2023 में हांगझू एशियन पैरा गेम्स में अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रीति ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मेडल जीता, जहां उन्होंने 2024 में 100 मीटर और 200 मीटर, दोनों स्पर्धाओं में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

शीतल-पायल ने कंपाउंड विमेंस डबल्स में जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 में शीतल देवी और पायल नाग ने बुधवार को कंपाउंड विमेंस डबल्स में सिल्वर मेडल जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन की जू जुएकिंग और झाओ जिंग की जोड़ी से 141-150 से मिली हार के कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

शीतल-पायल की जोड़ी को सिल्वर मेडल जीतने पर खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'शीतल देवी और पायल नाग को एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा कंपाउंड महिला डबल्स में सिल्वर मेडल जीतने पर हार्दिक बधाई।'

कंपाउंड इंडिविजुअल में डिफेंडिंग चैंपियन शीतल ने सोमवार को अपने एशियन पैरा गेम्स आइची-नागोया 2026 कैंपेन की शानदार शुरुआत की और कंपाउंड विमेंस क्वालीफिकेशन में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद उन्होंने कंपाउंड विमेंस



डबल्स क्वालीफिकेशन में चार पैरों से बनाई। उनके कुल 1379 स्कोर ने नए विकलांग तीरंदाज पायल के साथ टीम एशियन रिकॉर्ड 1378 से आगे निकल गए। पायल ने 675 पॉइंट्स दिए, जिससे भारतीय जोड़ी महिला डबल्स रैंकिंग में टॉप पर पहुंची।

शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम राउंड में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया, जबकि ओकाजाकी में रिकॉर्ड टूट रहे थे। 18 साल की इस खिलाड़ी ने संभावित 720 में से 704 पॉइंट्स बनाए, जो तुर्किये की ओजनूर क्यूर गिरडी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करते हैं। शीतल ने मार्च में बैंकॉक में बनाए अपने 698 के एशियन रिकॉर्ड में भी छह पॉइंट्स का सुधार किया और एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 680 से बढ़ाकर 704 कर दिया। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी शीतल ने कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम क्वालिफिकेशन में 1402 पॉइंट्स बनाए, जिससे भारत का ही बनाया 1400 का पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट गया।



रायपुर । शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम परसदा रायपुर में भारत और जिम्बाम्वे के बीच टी-20 मैच की सीरीज को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 3-0 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। वही अंतिम मुकाबले को देखने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं बीसीसीआई में संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाठिया की विशेष रूप से उपस्थिति रही ।



प्रवीण ने पुरुषों की हाई जंप टी64 में गोल्ड और बंटी ने सिल्वर जीता



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत ने बुधवार को यहां आइची-नागोया 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की हाई जंप टी64 में पहले और दूसरे स्थान पर रहने का जश्न मनाया, जिसमें प्रवीण कुमार ने गोल्ड और बंटी ने सिल्वर जीता। खेल मंत्री मांडविया ने प्रवीण और बंटी को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी है।

मांडविया ने एक्स पर लिखा, 'रिकॉर्ड तोड़ने वाला डबल पोडियम। टॉप्स एथलीट प्रवीण कुमार को 2.05 मीटर के शानदार नए गेम्स रिकॉर्ड के साथ अपना गोल्ड बचाने के लिए और बंटी को एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की हाई जंप टी64 में 1.92 मीटर के शानदार पर्सनल बेस्ट के साथ सिल्वर मेडल जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई।'

दो बार के पैरालंपिक मेडलिस्ट प्रवीण ने अपना टाइटल बचाने और पोडियम में टॉप पर रहने के लिए 2.05 मीटर की गेम्स रिकॉर्ड ऊंचाई को सफलतापूर्वक पार किया। 1.92 मीटर से अपनी प्रतियोगिता शुरू करते हुए, उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने वाला परफॉर्मेंस दिया।

प्रवीण ने सबसे पहले 2 मीटर की जंप के साथ जकार्ता 2018 में उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव द्वारा बनाए गए 1.95 मीटर के गेम्स रिकॉर्ड को तोड़ा। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी कोशिश में 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके इसे और बेहतर बनाया।

बंटी ने 1.92 मीटर की निजी बेस्ट जंप के साथ सिल्वर मेडल जीता, जिससे इस इवेंट में भारत के लिए यादगार डबल पोडियम फिनिश पूरा हुआ।

रवि रोंगाली ने भारत को दिलाया एक और मेडल, पुरुषों के शॉट पुट एफ40 इवेंट में जीता ब्रॉन्ज

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के रवि रोंगाली ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों के शॉट पुट एफ40 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 10.02 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया।

रोंगाली ने अपने दूसरे प्रयास में मेडल हासिल किया। इससे पहले, उन्होंने अपने पहले प्रयास में 9.21 मीटर का थ्रो किया था। उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा जबकि चौथे प्रयास में उन्होंने 9.95 मीटर और पांचवें प्रयास में 9.63 मीटर की दूरी तय की। उनका छठा और अंतिम प्रयास भी फाउल रहा।

इराक के घर्राह तनाइश ने 10.78 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता जबकि मलेशिया के गन-एर्डेन गनसुख ने 10.30 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। इस ब्रॉन्ज मेडल के साथ रवि रोंगाली की महाद्वीपीय पैरा-स्पोर्ट्स इवेंट में उपलब्धियों में एक और मेडल जुड़ गया है। हांगझोऊ में हुए एशियन पैरा गेम्स



2023 में उन्होंने पुरुषों के शॉट पुट एफ40 इवेंट में 9.92 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता था। तब वह तनाइश के पीछे रहे थे, जिन्होंने 10.80 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

इससे पहले, आयुष वर्मा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ53 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। आयुष ने 8.16 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। उन्होंने ईरान के अलीरेजा हेमामी (8.09 मीटर - सिल्वर मेडल) और कजाकिस्तान के मखाम्बेट सेरिकालीयेव (6.81 मीटर - ब्रॉन्ज मेडल) को पीछे छोड़ा।भारत ने पुरुषों के शॉट पुट एफ46 इवेंट में भी तीनों मेडल अपने नाम किए। पेरिस पैरालंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट सचिन खिलारी ने 15.79 मीटर के 'गेम्स रिकॉर्ड' थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद यासिर ने 15.06 मीटर के अपने सीजन-बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। प्रवीण ने 13.83 मीटर की थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

बुधवार को महिलाओं के शॉट पुट एफ34 इवेंट में भारत की भाग्यश्री जाधव ने 8.19 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि इससे पहले दूसरे प्रयास में उन्होंने 8.14 मीटर की थ्रो की थी। एशियन पैरा गेम्स में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए भाग्यश्री ने लगातार दूसरी बार सिल्वर मेडल जीता है। चीन की लिजुआन जू ने 9.07 मीटर की थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो कि इन खेलों का एक नया रिकॉर्ड है। वहीं, काइयुन जुओ ने 7.56 मीटर की थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

छत्तीसगढ़ की दो महिला खिलाड़ियों का चयन, वूमेंस प्रीमियर लीग के लिए किया गया



विश्व केसरी ■

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिला अंडर 19 खिलाड़ी पलक सिंह एवं श्रेया श्रीवास का चयन आगामी वूमेन'एस प्रीमियर लीग 2026 के ऑक्शन हेतु किया गया है ऑक्शन 28 अक्टूबर को कोची केरला में आयोजित किया जाएगा

पलक सिंह ने गत वर्ष खेले गए आठ माचो में 5 विकेट प्राप्त किए थे। साथ ही वे गत वर्ष आयोजित डब्लू पी एल स्पीड क्वीन में गोल्ड मेडल विजेता भी रही उन्होंने 106 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर दिया पुरस्कार प्राप्त किया

इस तरह श्रेया श्रीवास ने भी गत वर्ष शानदार प्रदर्शन करते हुए कल 17 विकेट प्राप्त किया।

पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित ने जीता गोल्ड, बेसिल के नाम सिल्वर

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन पैरा गेम्स की पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत ने एक और यादगार प्रदर्शन किया। दिलीप गावित (टी46 वर्ग) ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, जबकि मोहम्मद बेसिल मोर्सिंगनाकाथी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

दिलीप गावित (टी46 कैटेगरी) ने 10.69 सेकंड के शानदार समय के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, बेसिल (टी47 कैटेगरी) ने 10.72 सेकंड का समय निकालकर सिल्वर मेडल जीता और इस स्पर्धा में एक नया 'गेम्स रिकॉर्ड' भी बनाया।

इन दोनों खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 जैसा ही प्रदर्शन दोहराया, जहां दिलीप गावित ने मेंस 100 मीटर टी47 इवेंट में 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि बेसिल मोर्सिंगनाकाथी ने सिल्वर मेडल हासिल करके भारत के लिए 1-2 की शानदार जीत पक्की की थी।



इससे पहले, दिलीप गावित एशियन पैरा गेम्स 2022 में मेंस 400 मीटर टी47 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जो इन खेलों में भारत का ऐतिहासिक 100वां मेडल था। उन्होंने पेरिस 2024 पैरालंपिक्स में भी पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर देश को गौरवान्वित किया।

महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थित तोरण डोंगारी नामक गांव में जन्मे दिलीप गावित एक साधारण किसान परिवार में पले-बढ़े। उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया, जब 5-6 साल की उम्र में वे एक पेड़ से गिर गए, जिससे उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई।

समय पर इलाज न मिल पाने के कारण, चोट वाली जगह पर गैंग्रीन हो गया, जिसके चलते उनके हाथ को कोहनी के नीचे से काटना पड़ा। इतने बड़े झटके के बावजूद, गावित ने इसे अपने भविष्य पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने पैरा-एथलेटिक्स में अपना करियर बनाकर दौड़ने के अपने जुनून को पूरा किया। अपने गांव की धूल भरी सड़कों पर अभ्यास करते हुए, उनकी प्रतिभा को बाद में कोच वैजनाथ काले ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें पेशेवर पैरा-एथलेटिक्स की राह दिखाई।

प्रणव देसाई ने मेंस 100 मीटर टी64 इवेंट में देश के लिए जीता ब्रॉन्ज मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन पैरा गेम्स 2026 में बुधवार को प्रणव देसाई ने पुरुषों की 100 मीटर टी64 स्पर्धा में 11.96 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। एशियन पैरा गेम्स 2022 में प्रणव 11.91 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। 0.05 सेकंड के समय के अंतर के बावजूद प्रणव देसाई ने अपनी रैंकिंग में एक स्थान का सुधार किया है।

टी64 खेल वर्ग उन एथलीट्स के लिए होता है जिनके निचले अंग (लोअर लिम्ब) प्रभावित होते हैं और जो कृत्रिम अंग (प्रोस्थेसिस) के सहारे प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसमें अंग की कमी (लिंब डिफिशिएंसी) या दोनों पैरों की लंबाई में अंतर वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र के ठाणे के रहने वाले प्रणव जन्म से ही घुटने के नीचे से दाहिना पैर नहीं होने (एम्प्यूटी) की स्थिति से जूझ रहे हैं। वे साल 2017 से पैरा खेलों में हिस्सा ले रहे हैं और टी64 स्प्रिंट स्पर्धाओं (100 मीटर और 200 मीटर) में माहिर हैं। कड़ी



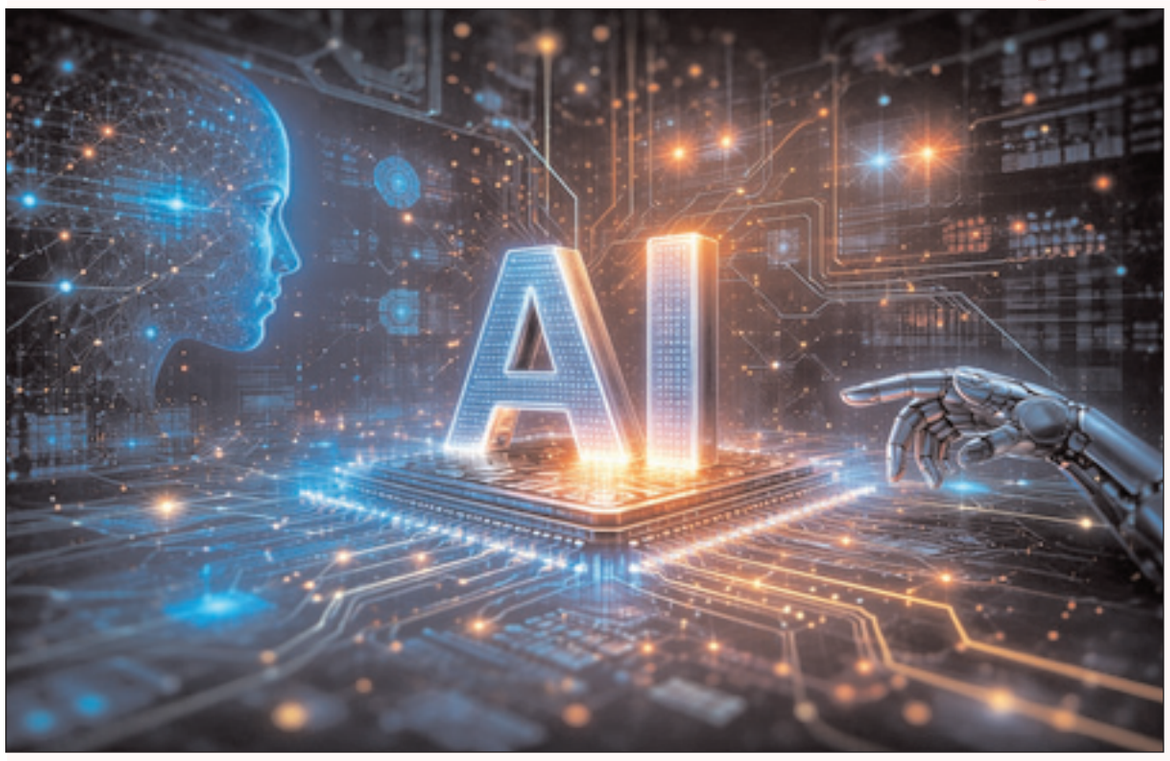
मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के दम पर, प्रणव लगातार अपनी सीमाओं को पार करते हुए गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

इससे पहले, एशियन पैरा गेम्स की पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत ने एक और यादगार प्रदर्शन किया। पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित महादु (टी46 श्रेणी) ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकाथी ने सिल्वर हासिल किया।

गावित महादु (टी46 श्रेणी) ने 10.69 सेकंड के शानदार समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। भारत की इस सफलता में बासिल (टी47 श्रेणी) ने 10.72 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया और इस स्पर्धा में एक नया 'गेम्स रिकॉर्ड' भी बनाया।

इन दोनों खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के अपने प्रदर्शन को दोहराया, जहां दिलीप गावित ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि बासिल मोर्सिंगनाकाथी ने रजत पदक हासिल करके भारत का दबदबा कायम किया था।

भारत में एआई बूम से शेयर बाजार के मूल्यांकन में हो सकती है 100 अरब डॉलर की बढ़ोतरी : रिपोर्ट



विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम से सूचीबद्ध कंपनियों का मूल्यांकन अगले दो से तीन वर्षों में 50-100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। इसकी वजह तेजी से बढ़ते एआई स्टार्टअप्स का स्टॉक मार्केट में कदम रखना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

गोल्डमैन सैश की एक रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत में लगभग 70 मिड-टू-लेट-स्टेज निजी एआई कंपनियों में से 25 से 50 प्रतिशत कंपनियां आने वाले समय में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला सकती हैं। इन कंपनियों की लिस्टिंग उनके मौजूदा अनुमानित मूल्य से औसतन लगभग चार गुना अधिक वैल्यूएशन पर हो सकती है।

गोल्डमैन सैक्स में एशिया मैक्रो रिसर्च के सह-प्रमुख और एशिया-प्रशांत इक्विटी रणनीतिकार, टिमोथी मो ने कहा, 'इन लिस्टिंग से भारत में एआई से जुड़ी सूचीबद्ध कंपनियों का दायरा बढ़ सकता है, जिससे एआई वैल्यू चेन के कई ऐसे हिस्से भी पब्लिक मार्केट में आ सकते हैं, जिनका प्रतिनिधित्व अभी तक कम रहा है।

2024 के बाद से भारतीय एआई स्टार्टअप्स के लिए प्राइवेट इक्विटी फंडिंग तीन गुना हो गई है। साथ ही, कुल प्राइवेट इक्विटी निवेश में एआई का हिस्सा चार गुना बढ़कर देश में लगाई गई कुल प्राइवेट पूंजी का लगभग पांचवां हिस्सा हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत अब प्राइवेट एआई फंडिंग के मामले में दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल है, और नई फंडिंग पाने वाली एआई कंपनियों के लिहाज से शीर्ष चार देशों में आता है। इसमें 84 प्राइवेट कंपनियों को 'प्राइवेट एआई कंटेंडर्स' के रूप में पहचाना गया है, जिनकी कुल अनुमानित वैल्यू 55 अरब डॉलर है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के बाद से भारत में एआई से जुड़ी कुल प्राइवेट फंडिंग का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं कंपनियों को मिला है। ये कंपनियां एआई वैल्यू चेन के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी हैं।

सबसे बड़ा अवसर 'अपस्ट्रीम एआई इनेबलर्स' (एआई को संभव बनाने वाले शुरुआती चरण के क्षेत्र) में है, जिसकी वैल्यू रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 35 अरब डॉलर आंकी गई है।

इस सेगमेंट में वे कंपनियां शामिल हैं जो पावर जनरेशन और ट्रांसमिशन, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन, चिप डिजाइन, क्वांटम कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर, क्लाउड सर्विस और डेटा मैनेजमेंट के क्षेत्रों में काम करती हैं। गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि भविष्य में एआई से जुड़ी कंपनियों की लिस्टिंग की कुल संभावित वैल्यू में से लगभग दो-तिहाई या 66 प्रतिशत हिस्सा 'अपस्ट्रीम एआई इनेबलर्स' का हो सकता है।

सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत भी संवारता है आयोडीनयुक्त नमक, जानिए इसके फायदे



विश्व केसरी

नई दिल्ली। हमारे रोजमर्रा के खाने में नमक की अहम भूमिका होती है। दाल हो, सब्जी हो या सलाद, बिना नमक के खाने का स्वाद अधूरा लगता है। क्या आप जानते हैं कि नमक का चुनाव आपकी सेहत पर भी बड़ा असर डाल सकता है? खासकर आयोडीनयुक्त नमक का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हर साल 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को शरीर में आयोडीन की जरूरत और इसकी कमी से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक करना है।

विश्व आयोडीन अल्पता दिवस पर आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयोडीन एक जरूरी पोषक तत्व है जिसकी मदद से थायरॉइड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन से ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, आयोडीन बच्चों के मस्तिष्क के विकास, सीखने-समझने की क्षमता और सामान्य शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी है।

खासकर गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की पर्याप्त मात्रा बेहद महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस समय बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का विकास हो रहा होता है। इसलिए हर उम्र के व्यक्ति के लिए आयोडीन की जरूरत को समझना जरूरी है।

शरीर में लंबे समय तक आयोडीन की कमी रहने पर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी कमी से थायरॉइड ग्रंथि बढ़ सकती है, जिसे घेंघा रोग कहा जाता है। बच्चों में आयोडीन की कमी मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है। इससे सीखने और समझने में परेशानी होने के साथ-साथ शारीरिक विकास भी प्रभावित हो सकता है।

वहीं, गर्भावस्था में आयोडीन की गंभीर कमी होने पर गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में आयोडीन की कमी को हल्के में लेना सही नहीं है। आयोडीन की कमी से बचने का एक आसान तरीका है रोजाना खाने में आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करना। यह शरीर में आयोडीन की जरूरत पूरी करने में मदद करता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नमक ज्यादा खाया जाए। अधिक नमक खाने से उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नमक का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए।

आयुष मंत्रालय की मानें तो दूध और दही, दालें, कुछ हरी पत्तेदार सब्जियां, आलू और बीज जैसे तिल, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीज में भी कुछ मात्रा में आयोडीन पाया जाता है।

घंटों बैठकर काम करने से होती है कमर में अकड़न? रोज 5 मिनट करें हस्तोत्तानासन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, घंटों बैठकर काम करना और गलत खानपान की वजह से शरीर में अकड़न, मोटापा और तनाव आम हो गया है। ऐसे में योग ऐसा उपाय है, जो शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखता है। योग के कई आसनों में से एक है हस्तोत्तानासन। इसे रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने और शरीर को ऊर्जा देने के लिए किया जाता है।

हस्तोत्तानासन में 'हस्त' का अर्थ है हाथ और 'उत्तान' का अर्थ है ऊपर की ओर खिंचाव। यह महत्वपूर्ण योग मुद्रा है, जिसका अर्थ है हाथों को ऊपर की ओर तानना। यह सूर्य नमस्कार की श्रृंखला का दूसरा और ग्यारहवां चरण है।



भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी 'हस्तोत्तानासन' के महत्व पर प्रकाश डाला है। यह आसन शरीर में लचीलापन लाने, रक्त संचार बढ़ाने और थकान कम करने वाला एक उत्कृष्ट योगासन है। इस योगासन के करने से शरीर पीछे की ओर झुकता है जिससे रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है और कमर दर्द जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। साथ ही, पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आने से पाचन तंत्र सक्रिय होता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

इसे रोज सुबह करने से न सिर्फ शरीर लचीला बनता है बल्कि लंबाई बढ़ने, वजन घटने और थकान दूर करने में भी बहुत मदद मिलती है। जब हम घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं तो शरीर में खून का प्रवाह धीमा हो जाता है, जिससे सुस्ती और थकान महसूस होती है। हस्तोत्तानासन में जब हम हाथों को ऊपर की ओर खींचते हैं और गहरी सांस लेते हैं, तो फेफड़ों में ज्यादा ऑक्सीजन जाती है। इससे खून का संचार तेज होता है और पूरे शरीर में तुरंत ऊर्जा और स्फूर्ति आ जाती है। इसे करने से नींद और आलस भी दूर होता है।

अमेरिका ने हेपेटाइटिस बी के नए इलाज को दी मंजूरी, मरीज एंटीवायरल दवा लेना कर सकेंगे बंद

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका ने क्रोनिक हेपेटाइटिस बी के लिए एक नए इलाज को मंजूरी दी है। इससे कुछ मरीज वायरस को नियंत्रित रखते हुए अपनी एंटीवायरल दवाएं लेना बंद कर सकेंगे।

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने 'हिबसागो' (बेपिरोविरसेन) को मंजूरी दे दी है। यह जीएसके द्वारा विकसित एक इंजेक्शन वाली दवा है, जो क्रोनिक हेपेटाइटिस बी से पीड़ित उन वयस्कों के लिए है जिन्हें सिरोसिस नहीं है।

यह इलाज हेपेटाइटिस बी के लिए एफडीए द्वारा स्वीकृत पहला 'एंटीसेंस ओलिगोन्यूक्लियोटाइड' है। इसमें एक ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है जो उन जेनेटिक निर्देशों में बाधा डालती है, जिनकी मदद से वायरस अपनी संख्या बढ़ाता है और वायरल प्रोटीन बनाता है। इस नए तरीके से, कुछ मरीज हेपेटाइटिस बी का पूरा इलाज बंद करने के बाद भी वायरस को नियंत्रित रख सकते हैं।



एफडीए के 'ऑफिस ऑफ इंफेक्शियस डिसीज' की कार्यवाहक निदेशक वेंडी कार्टर ने कहा, 'क्रोनिक हेपेटाइटिस बी से पीड़ित कई लोगों के लिए, वायरस को दबाए रखने के लिए सालों तक एंटीवायरल दवाएं लेनी पड़ती हैं।'

उन्होंने कहा, 'हिबसागो इलाज का एक नया तरीका पेश करता है, जिससे कुछ मरीज क्रोनिक एचबीवी का पूरा इलाज खत्म होने के बाद भी वायरस को नियंत्रित रख सकते हैं। यह मंजूरी इस गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति है।'

यह मंजूरी उन वयस्कों के लिए है जिन्हें सिरोसिस नहीं है, जिन्होंने कम से कम छह महीने तक एंटीवायरल थेरेपी ली है और जिनके खून में हेपेटाइटिस बी वायरस का स्तर दबा हुआ (कम) है।

रात को नींद नहीं आती? रोज करें मकरासन, अनिद्रा और चिंता से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी

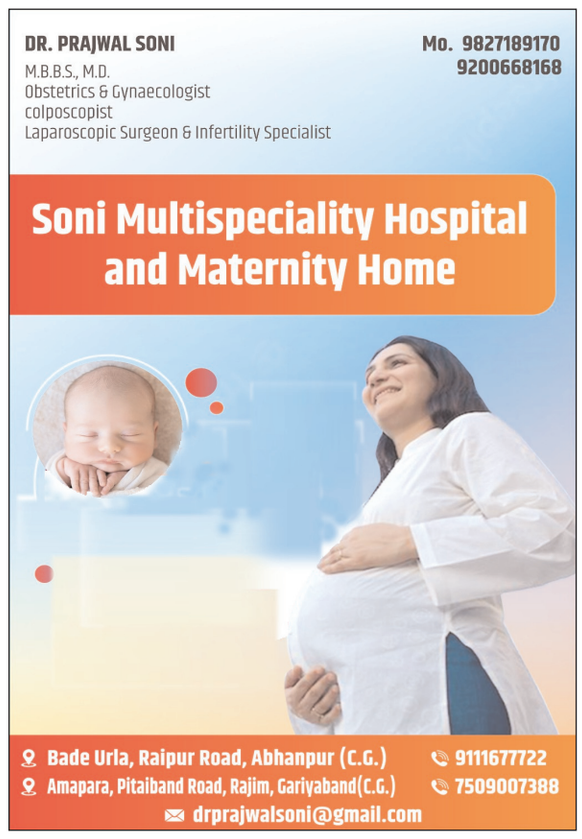
नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग बहुत जरूरी हो गया है। यह हमें तनाव से राहत देता है और सेहतमंद बनाता है। योग के कई आसनों में से एक आसन है मकरासन। ये सिर्फ एक आरामदायक मुद्रा नहीं, बल्कि तनाव, थकान और कमर दर्द से राहत पाने का एक बेहतरीन उपाय है।

'मकरासन' संस्कृत का शब्द है, जो 'मकर' और 'आसन' इन दो शब्दों से मिलकर बना है। यहां 'मकर' का अर्थ मगरमच्छ और 'आसन' का अर्थ मुद्रा से है। इस आसन को करने से पीठ और कमर का दर्द कम होता है और शरीर को आराम मिलता है ।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है। खासतौर से यह पीठ, कमर और कंधों की जकड़न को दूर करता है। यह श्वसन प्रणाली के लिए भी लाभकारी माना जाता है।















दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-1 लागू, प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार ने बढ़ाई सख्ती

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में बढ़ोतरी के बाद पूरे दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) का पहला चरण (ग्रैप-1) लागू कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के उद्योग, पर्यावरण, खाद्य एवं आपूर्ति, वन एवं वन्यजीव मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सभी संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि ग्रैप-1 के तहत डस्ट मिटिगेशन से जुड़े सभी मानकों पर सख्ती बढ़ा दी गई है। सभी एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि मैकेनिकल रोड स्वीपर्स के माध्यम से 100 प्रतिशत सड़कों की सफाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि ओपन बर्निंग (खुले में कचरा या अन्य सामग्री जलाने) पर रोक लगाने के लिए टीमें दिन-रात सड़कों पर निगरानी करेंगी। इसके अलावा, ट्रैफिक जाम से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय बढ़ाया गया है, ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारु रूप से हो सके।

प्रेस वार्ता के दौरान सिरसा ने बताया कि उन्होंने स्वयं शहर के कई हिस्सों का दौरा किया और उन स्थानों की पहचान की, जहां ट्रैफिक जाम की समस्या अधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाकर प्रदूषण के स्तर को कम किया जाए।उन्होंने पीयूसी (पीयूसी) प्रमाणपत्र को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के दिल्ली में वाहन न चलाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से आने वाले गैर-जरूरी और दिल्ली के बाहर के वाहनों के प्रवेश पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है ताकि राजधानी में प्रदूषण का अतिरिक्त दबाव न बढ़े। इसके अलावा, उद्योगों और अन्य गैर-अनुपालक इकाइयों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न विभागों की टीमें मैदान में उतरकर निरीक्षण कर रही हैं और प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित कर रही हैं।

सरकार ने आईईसी गतिविधियों को भी तेज किया है ताकि लोगों को प्रदूषण नियंत्रण उपायों के प्रति जागरूक किया जा सके। साथ ही, ग्रीन दिल्ली 311 ऐप पर निगरानी तंत्र को और मजबूत किया गया है, जिससे नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा सके।

पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली के नागरिकों से अपील की कि वे ग्रैप-1 के दिशा-निर्देशों का पालन करें, प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से दें और राजधानी दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कांग्रेस विफल रही: नितिन नवीन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को नई दिल्ली में जनसंघ के 75वें स्थापना दिवस संबोधित किया और कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे पुरोधाओं द्वारा 'राष्ट्र प्रथम' और 'अंत्योदय' के भाव से रोपा गया जनसंघ का बीज आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी रूपी विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

उन्होंने आह्वान किया कि आज की पीढ़ी को पूर्वजों के निस्वार्थ संघर्ष से प्रेरणा ले और पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत व देश को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए समर्पित होकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, दिल्ली प्रदेश की सह-प्रभारी दर्शना जरदोश, पार्टी के वरिष्ठ नेता वी सतीश, महेश चंद शर्मा, जुगल किशोर शर्मा, ओपी बब्बर, योग ध्यान आहूजा, लाल बिहारी तिवारी, सुभाष आर्या, मूलचंद चावला, वेदव्यास महाजन, जगदीश मुखी, जीतन राम सोलंकी तथा वरिष्ठ नेतागण मौजूद थे।

नितिन नवीन ने कहा कि जगदीश जी और अन्य सभी वक्ताओं ने जो संस्मरण सुनाए हैं, उनकी पीढ़ी को भविष्य की भाजपा के निर्माण में निश्चित रूप से मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, क्योंकि उन्होंने उस बीज को रोपा था जिसके फल क्या मिलेंगे, इसकी चिंता किसी ने नहीं की थी। उनके मन में केवल यही विचार था कि आजादी के बाद भारत कैसा होना चाहिए और उस भारत की कल्पना क्या होनी चाहिए। आजादी के समय लाखों लोगों ने कुर्बानियां दीं और सभी का केवल एक ही ध्येय था कि भारत आजाद हो, स्वतंत्र हो, और स्वतंत्र होने के साथ-साथ ऐसा लोकतंत्र स्थापित हो जिसमें सबका चिंतन हो, विकास की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, सांस्कृतिक विरासत की जड़ें मजबूत हों, और देश एक स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में उभरे।

उन्होंने कहा कि जब मैं आज जनसंघ के उस पूरे चित्र को देख रहे था, तो उसमें एक शब्द का प्रयोग दिल्ली प्रदेश ने बहुत सुंदर ढंग से किया था, 'जनसंघ से जन-जन की यात्रा ', जिसके लिए मैं आप सबको बधाई देता हूं। वरिष्ठ पुरोधाओं ने जो सपना देखा था और जो भारतीय जनसंघ के अध्यक्षों की तस्वीरों में भी झलकता है, उस सपने को साकार करने के लिए ही जन-जन की इस विकास यात्रा में हर व्यक्ति को विकास के साथ जोड़ने का जो संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया है, उस यात्रा को आगे बढ़ाने का संकल्प और समर्पण हम सभी के भीतर होना चाहिए।

अभिषेक दत्त ने केंद्र और सीएम रेखा गुप्ता सरकार को घेरा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अभिषेक दत्त ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के एयरपोर्ट पर रोके जाने के दावे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों, दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के उपायों और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार को लेकर सवाल उठाए। इसके अलावा, उन्होंने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े मामलों पर भी प्रतिक्रिया दी।

कांग्रेस नेता ने भगवंत मान को एयरपोर्ट पर रोके जाने के दावे पर कहा कि विपक्षी दल लगातार केंद्र सरकार पर अहंकारी रवैया अपनाने का आरोप लगाते रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की विपक्षी एकजुटता में भूमिका पर भी सवाल उठाया। दत्त ने सवाल किया कि जब प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन की बैठक होती है, तो केजरीवाल उसमें शामिल क्यों नहीं होते और तीसरे मोर्चे की तलाश करके विपक्ष को कमजोर क्यों करते हैं?

भगवंत मान के फ्रांस दौरे का जिक्र करते हुए दत्त ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मुख्यमंत्री फूड फेस्टिवल में शामिल होने के लिए फ्रांस गए थे। उन्होंने सवाल किया कि पंजाब में कथित तौर पर खनन माफिया और नशे की समस्या के बीच मुख्यमंत्री के विदेश दौरे की क्या जरूरत थी। पंजाब में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं की जान जा रही है और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की मौत के मामले सामने आ रहे हैं। जब मुख्यमंत्री को सरकार से अनुमति नहीं मिली, तो उन्होंने अदालत के माध्यम से विदेश जाने का रास्ता अपनाया। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग की।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया टिप्पणियों पर अभिषेक दत्त ने भ्रष्टाचार और महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे उठाए। उन्होंने सवाल किया कि भ्रष्ट नेताओं को जेल भेजने की बात करने वाले प्रधानमंत्री के साथ ऐसे नेता क्यों खड़े दिखाई देते हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाते रहे हैं। दत्त ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

दिल्ली में मछुआरा समुदाय ने एससी आरक्षण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में बुधवार को मछुआरा समुदाय के लोगों ने अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कश्यप, कहार, केवट, मल्लाह, मांझी और तुरैहा समाज के लोग एकत्र हुए। हाथों में 'तुरैहा हैं अनुसूचित जाति के हकदार हैं' और 'मझुआ एससी आरक्षण हमारा हक' लिखी तख्तियां लेकर समुदाय ने सरकार से अपने संवैधानिक हक को जल्द लागू करने की मांग की।

इस दौरान आईएएनएस से बात करते हुए यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद ने कहा कि हमारे पुरखों ने देश को आजाद कराया और संविधान बनाया, इसलिए इन सभी लोगों का संविधान में हक बनता है। उन्होंने कहा कि समुदाय की एक ही मांग है कि इनका हक संविधान में स्पष्ट रूप से लिख दिया जाए, जिस तरह उत्तराखंड में शिल्पकार को जाति नहीं बल्कि जातियों का समूह माना गया है, उसी तरह उत्तर प्रदेश में भी केवट, मल्लाह, मझवार को जातियों के समूह के रूप में मान्यता दी जाए।

मंत्री संजय निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि सबने इस समाज को लूटा था लेकिन मोदी-योगी ने अपने मछुआरा विजन में निषादों को अनुसूचित जाति का आरक्षण देने का वादा किया था। आज उसी मांग को लेकर यहां आए हैं। उन्होंने बताया कि 1994 तक इस समाज को एससी प्रमाण पत्र मिलता था लेकिन बाद में बेईमान लोगों ने इसे पिछड़ी जाति में लिख दिया।

सैन्य कार्य विभाग ने 2.46 लाख फाइलों की समीक्षा की, कबाड़ से जुटाए 50.60 लाख रुपए

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के सैन्य कार्य विभाग में विशेष अभियान 6.0 के तहत सरकारी कामकाज को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। इसके जरिए कार्यालयों को स्वच्छ रखने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

अभियान के शुरुआती दो सप्ताह में 2.46 लाख से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई है। इसके साथ ही देशभर में 3,553 स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और 158 नियमों की समीक्षा कर उन्हें सरल बनाया गया। यही नहीं इस दौरान अनुपयोगी कबाड़ के निपटान से अब तक 50.60 लाख रुपए का राजस्व भी प्राप्त हुआ है।

सैन्य कार्य विभाग, रक्षा मंत्रालय का यह विशेष अभियान 2 अक्टूबर से शुरू हुआ था और 31 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता बढ़ाना व उपलब्ध जगह का बेहतर उपयोग करना है। इसके साथ ही लंबे समय से रखे अनुपयोगी सामान व पुराने अभिलेखों का निपटान करना है। इसके अलावा, कार्यालयों में उपलब्ध स्थानों को सुंदर बनाने और कामकाज की व्यवस्था सुधारने पर भी जोर दिया जा रहा है।

अभियान के दौरान बड़ी संख्या में फाइलों की समीक्षा की जा रही है, ताकि सरकारी रिकॉर्ड को व्यवस्थित किया जा सके और लंबित मामलों को कम करने में मदद मिले। पहले दो सप्ताह में 2.46 लाख से अधिक फाइलों की समीक्षा इस दिशा में की गई प्रगति को दर्शाती है। वहीं, 158 नियमों की समीक्षा और सरलीकरण से सरकारी कामकाज को अधिक सुगम बनाने का प्रयास किया गया है।

दिल्ली में ई-रिक्शा पॉलिसी 2026 का ड्राफ्ट जारी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की प्रस्तावित ई-रिक्शा पॉलिसी 2026 के तहत राजधानी में ई-रिक्शा के लिए ईसीसी (अनुपालन प्रमाणपत्र) समेत सभी जरूरी प्रमाणपत्र अनिवार्य किए जाएंगे। सरकार ने दिल्ली में ई-रिक्शा की कुल संख्या 2.5 लाख तक सीमित रखने का प्रस्ताव रखा है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने बुधवार को कहा कि ड्राफ्ट पॉलिसी फिलहाल सार्वजनिक सुझावों के लिए रखी गई है और एक महीने तक मिलने वाली राय के आधार पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

पंकज सिंह ने आईएएनएस से कहा कि सरकार ने पॉलिसी का ड्राफ्ट सार्वजनिक डोमेन में रखा है और अगले एक महीने तक लोगों की राय का इंतजार किया जाएगा। इसके बाद अंतिम पॉलिसी लागू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा बिल्कुल स्पष्ट है कि दिल्ली में 2.5 लाख ई-रिक्शा की कैपिंग की जाएगी। पॉलिसी लागू होने के बाद मौजूदा ई-रिक्शा चालकों को 90 दिनों का समय दिया जाएगा, जिसके भीतर उन्हें ईसीसी (अनुपालन प्रमाणपत्र), बैज, ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा। इन दस्तावेजों के बिना कोई भी ई-रिक्शा नहीं चलाया जा सकेगा। मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा के बाद कोई ई-रिक्शा आवश्यक प्रमाणपत्रों के बिना चलता पाया गया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। प्रस्तावित पॉलिसी में यात्रियों की क्षमता और ई-रिक्शा की गति को लेकर भी स्पष्ट नियम शामिल किए गए हैं। सरकार का कहना है कि इन प्रावधानों का उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह कदम पहले हुए हादसों को देखते हुए उठाया जा रहा है, पंकज सिंह ने कहा कि इसका उद्देश्य दुर्घटनाओं की प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि दिल्ली की जरूरतों के अनुरूप परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा शहर के अंदरूनी इलाकों और गांवों तक कनेक्टिविटी का महत्वपूर्ण साधन हैं।

सरकार चाहती है कि उनका व्यवस्थित उपयोग हो, जिससे ट्रैफिक जाम कम हो और लोगों को बेहतर सुविधा मिले। दिल्ली में फॉल्स सीलिंग गिरने की घटना पर आम आदमी पार्टी की आलोचना का जवाब देते हुए पंकज सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई काम नहीं है।

वायुसेना की नई ताकत, ड्रोन की 16 श्रेणियों का खाका सामने रखा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भविष्य की हवाई जंग में ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियां निर्णायक भूमिका निभाने जा रही हैं। इसे देखते हुए भारतीय वायुसेना ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। वायुसेना ने मानवरहित और स्वायत्त प्रणालियों को लेकर अपना दीर्घकालिक रोडमैप रक्षा उद्योग के सामने रखा है। इसमें 16 प्रकार की प्रणालियों को चार श्रेणियों में बांटा गया है। इसका मकसद देश में ही ऐसी आधुनिक तकनीक विकसित करना है, जो भविष्य की सैन्य जरूरतों के अनुरूप हो।

इस दिशा में भारतीय वायुसेना ने 21 अक्टूबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में उद्योग जगत के साथ विशेष कार्यशाला आयोजित की। इस बैठक में वायुसेना और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा रक्षा उद्योग के 100 से अधिक वरिष्ठ पेशेवर शामिल हुए। दरअसल आधुनिक हवाई अभियानों में अब केवल पारंपरिक विमानों की ताकत ही महत्वपूर्ण नहीं रह गई है। मानवरहित विमान, अपने आप काम करने वाली प्रणालियां और एक साथ तालमेल से उड़ान भरने वाले ड्रोन समूह युद्ध की रणनीति बदल रहे हैं।

मानवयुक्त और मानवरहित विमानों को मिलकर इस्तेमाल करने की क्षमता भी भविष्य के अभियानों में अहम होगी। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए वायुसेना ने अपनी जरूरतों का खाका सीधे उद्योग जगत के सामने रखा है। वायुसेना के रोडमैप में 16 प्रकार की विभिन्न प्रणालियां शामिल हैं। इन्हें चार श्रेणियों में बांटा गया है। इनमें रणनीतिक, अभियानगत, सामरिक और वितरित अथवा कम लागत में बड़ी संख्या में इस्तेमाल की जा सकने वाली प्रणालियां शामिल हैं।

इस रोडमैप को पहले वायुसेना के 'ड्रोनथॉन' कार्यक्रम में पेश किया गया था। अब इसे व्यवस्थित तरीके से उद्योग जगत, नए उद्यमों, शिक्षण संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास संगठनों तक पहुंचाया गया है। कार्यशाला में इन संस्थानों को वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे बातचीत करने और भविष्य की जरूरतों को समझने का अवसर मिला।

वायुसेना मुख्यालय में आयुध प्रणालियों के महानिदेशक एयर मार्शल प्रेमकुमार कृष्णस्वामी ने कहा कि भारतीय वायुसेना देश में मानवरहित प्रणालियों को अपनाने में सबसे आगे रही है। भविष्य में भी वह इस क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका बनाए रखना चाहती है।

दिल्ली के मौर्य एनक्लेव में लड़की को लेकर हुए विवाद में हत्या

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नई दिल्ली की मौर्य एनक्लेव पुलिस ने हत्या के मामले में चार नाबालिगों को हिरासत में लिया है। इसी के साथ पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार को भी बरामद कर लिया है।

दरअसल, मंगलवार को मौर्य एनक्लेव पुलिस स्टेशन को एक पीसीआर कॉल मिली कि पीतमपुरा के क्यूयू ब्लॉक स्थित चौधरी डेयरी के पास किसी को चाकू मार दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घायलों को बीएसए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया, जिसकी पहचान अरुण के रूप में हुई है। वहीं, दूसरे मरीज की पहचान आशु के रूप में हुई है, जिसे चाकू लगने से चोटें आई है। वह अस्पताल में इलाजरत है।

जांच के दौरान पता चला कि यह घटना एक लड़की से जुड़े विवाद के कारण हुई थी। इस मामले को लेकर हुई बहस के बाद आरोपियों ने दोनों पीड़ितों पर खंजर से हमला कर दिया।

मौर्य एनक्लेव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। पकड़े गए चार नाबालिगों में से एक की निशानदेही पर खून से सना एक खंजर भी बरामद किया गया है, जिसका इस्तेमाल वारदात में किया गया था।

पुलिस की ओर से इस मामले से संबंधित आगे की कार्रवाई और जांच जारी है। चाकू से जानलेवा हमले की एक दूसरी घटना बुधवार को मुंबई से सामने आई, जहां पवई इलाके में गरबा खेलने जाने से नाराज पति ने पत्नी पर चाकू से हमला किया, जिससे महिला बुरी तरह घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की पहचान वैशाली महेश रजत (30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो गरबा खेलने गई थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415